चैत्र कृष्ण पक्ष- 7, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 243 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
10 मार्च 2026 मंगलवार

आज का मौसम
36.8 अधिकतम
14.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

न्यूज विंडो

आबकारी नीति मामला: अब ईडी भी पहुंची हाईकोर्ट

नईदिल्ली। आबकारी घोटाला मामले में सीबीआई के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय ने भी ट्रायल कोर्ट द्वारा निर्णय में की गई कुछ टिप्पणियों को हटाने की मांग को लेकर लेकर दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मांग की है कि 27 फरवरी के आदेश में उसके खिलाफ की गई टिप्पणियों को हटाने का निर्देश दिया जाए। ईडी की अर्जी पर न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ सुनवाई कर रही है। प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू अपना पक्ष रख रहे हैं।

लुधियाना में तीन स्कूलों को मिली बम से उड़ाने धमकी

लुधियाना। महानगर के 3 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार आज सुबह करीब 7 बजे ई-मेल के जरिए सीबीएसई से संबंधित 3 स्कूलों को धमकी भरा संदेश मिला, जिसमें स्कूल परिसर में बम होने की बात कही गई थी। धमकी भरा मेल मिलते ही स्कूल प्रबंधन ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। इसके बाद पुलिस, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की टीमें मौके पर पहुंच गईं और स्कूल परिसरों की तलाशी की जा रही है।

कटनी में कार-बाइक की टक्कर से चार की मौत

कटनी। कटनी जिले में एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। बड़वारा थाना क्षेत्र में रेलवे पुलिया के पास तेज रफ्तार कार और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार चारों लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।जानकारी के मुताबिक एक ही बाइक पर सवार चार लोग कटनी से उमरिया की ओर नेशनल हाईवे-78 से जा रहे थे। इसी दौरान बड़वारा की रेलवे पुलिया के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार कार से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक और कार दोनों के परखच्चे उड़ गए और चारों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

बीएसएफ ने पाकिस्तानी स्मगलर को मार गिराया

तरनतारन। पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन और दूसरे तरीकों से हेरोइन स्मगलिंग की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। बीती रात, खेमकरण के बॉर्डर इलाके में बॉर्डर पोस्ट कालिया और नूर वाला के बीच बीएसएफ की 142 बटालियन के जवानों ने बड़ी कार्रवाई की है। जवानों ने बॉर्डर पार करके तार के पास आकर हेरोइन स्मगल करने की कोशिश कर रहे एक अनजान पाकिस्तानी घुसपैठिए को गोली मार दी।

राहुल ने भारत की छवि को नुकसान पहुंचाया: मालवीय

नई दिल्ली। भाजपा के मीडिया प्रभारी अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से राहुल गांधी पर हमला बोला। एआई समिट को बाधित करने और नग्न प्रदर्शन करने की घटना को लेकर कहा कि राहुल गांधी बड़े गर्व से कह रहे हैं कि 'कर दिया काम यूथ कांग्रेस वालों ने' जबकि असल में इस प्रदर्शन ने पूरी दुनिया के सामने भारत की छवि को नुकसान पहुंचाया।

आज का कार्टून

धमकी... होर्मुज स्ट्रेट रोका तो बीस गुना ताकत से होगा हमला, खत्म हो जाएगा ईरान

जंग के बीच आई राहत भरी खबर

ट्रम्प बोले - जल्द खत्म होगा युद्ध 9 फीसदी सस्ता हुआ कच्चा तेल

» ईरान के 51 जहाज डुबोने का दावा

वाशिंगटन डीसी/तेहरान. एजेंसी

अमेरिका, इजराइल - ईरान संघर्ष के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान के बाद क्रूड आयल के दामों में खासी गिरावट दर्ज की गई है जिसमें उन्होंने कहा था कि युद्ध जल्दी ख़त्म हो सकता है। तेल के दाम करीब 9 फ़ीसदी की गिरावट के साथ आज सुबह 88 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए। इसे दुनिया भर के बाजारों के लिए भी अच्छा संकेत माना जा रहा है। लगातार गिरावट झेल रहा भारतीय सेंसेक्स आज 400 अंक से ऊपर कारोबार कर रहा है।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने फ्लोरिडा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ईरान वॉर जल्द खत्म होने वाला है, लेकिन उन्होंने इसके लिए कोई टाइमलाइन नहीं बताई। उन्होंने तेहरान को यह चेतावनी दी कि अगर उन्होंने कुछ भी हिमाकत करने की कोशिश की तो अमेरिका उस देश को खत्म कर देगा। उन्होंने ईरान वॉर को शॉर्ट टर्म एक्सकर्शन कहा। एक सवाल के जवाब में ट्रम्प बोले यह जल्द ही खत्म होने वाला है, और अगर यह फिर से शुरू होता है तो उन्हें और भी ज्यादा नुकसान होगा। हमने इसे थोड़ा इसलिए बढ़ाया क्योंकि हमें लगा कि कुछ लोगों से छुटकारा पाने के लिए हमें ऐसा करना होगा। ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान ने होमुर्ज जलडमरूमध्य में तेल के प्रवाह को रोकने वाला कई भी काम किया तो अमेरिका उस पर अब तक हुए हमलों से बीस गुना ज्यादा भीषण हमला करेगा। इसके अलावा, हम आसानी से नष्ट किए जा सकने वाले ऐसे लक्ष्यों को निशाना बनाएंगे जिससे ईरान को फिर से खड़ा होना लगभग असंभव हो जाएगा। उन पर मृत्यु, आग और क्रोध का राज होगा। लेकिन मैं प्रार्थना करता हूं, ऐसा न हो। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के बारे में, ट्रंप ने कहा, मेरे पास उनके लिए कोई मैसेज नहीं है। बिल्कुल भी नहीं। उन्होंने बताया कि जहाज अभी होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे हैं, लेकिन कहा कि वह इसे अपने कब्जे में लेने के बारे में सोच रहे हैं और ईरान को आगे कोई एक्शन न लेने की चेतावनी दी।

ग्लोबल मार्केट में देखी गई गिरावट : कच्चे तेल की कीमतों में आज बड़ी गिरावट देखने को मिली हैं। अमेरिकी तेल करीब 9% टूटकर 88.60 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया है। वहीं एशिया में शुरुआती कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड की कीमतें करीब 8.5% गिरकर 92.50 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं। इससे पहले कल ये 115 डॉलर के पास चला गया था।

» मोजतबा खामेनेई पर कुछ नहीं बोले ट्रम्प

» क्रूड के दाम 88 डॉलर प्रति बैरल पर आए

ईरानी खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया में शरण

एशियन कप से बाहर होने के बाद ईरान की महिला फुटबॉल टीम की पांच खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया ने मानवीय वीजा देकर अपने देश में रहने की इजाजत दे दी है। ऑस्ट्रेलिया के इमिग्रेशन मंत्री टोनी बर्क ने बताया कि इन खिलाड़ियों को पुलिस ने सुरक्षित जगह पर पहुंचा दिया है। सरकार ने कहा है कि अगर बाकी खिलाड़ी भी चाहें तो वे भी ऑस्ट्रेलिया में रह सकती हैं। पिछले हफ्ते दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच से पहले ईरान की टीम ने अपना राष्ट्रगान नहीं गाया था। इसके बाद ईरान में कुछ लोगों ने टीम की आलोचना की और उन्हें सख्त सजा देने की मांग भी की। इसी वजह से खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी।

» भारतीय सेंसेक्स आज 400 अंक ऊपर आया

जंग पर ट्रम्प की पुतिन से बात

ट्रम्प ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से ईरान जंग और यूक्रेन के हालात पर एक घंटे फोन पर बात की। ट्रम्प ने बताया कि पुतिन ने कहा है कि रूस, ईरान जंग खत्म कराने में वह मदद करना चाहता है। हालांकि ट्रम्प ने उनसे कहा कि अगर वे रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में मदद करें तो वो ज्यादा बेहतर होगा। मीडिया से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह उनकी और पुतिन की पहली बातचीत थी। यह बातचीत ऐसे समय हुई है जब पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ा हुआ है।

ईरानी मदद को निकले चीनी जहाज

ईरान की सरकारी शिपिंग कंपनी के दो जहाज चीन के गाओलान पोर्ट से रवाना हुए हैं। भीषण जंग के बीच ईरान की तरफ बढ़ते जहाजों से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन पर ऐसा मिलिट्री केमिकल लदा हो सकता है, जो रॉकेट बनाने में इस्तेमाल होगा। अगर ऐसा हुआ तो ईरानी हमले जारी रह सकते हैं और जंग लंबी खिंच सकती है। ईरान की सरकारी कंपनी इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान शिपिंग लाइन्स के 2 जहाज- शब्दीस और बर्जिन चीन के गाओलान पोर्ट से रवाना हुए हैं। सैटेलाइट तस्वीरों से इसकी पुष्टि हुई है।

ज्यूडिशियल करप्शन पर नाराज था कोर्ट

एनसीईआरटी ने विवादित चैप्टर को लेकर मांगी बिना शर्त माफी

नईदिल्ली. एजेंसी

एनसीईआरटी ने आज सार्वजनिक माफी मांगी है। ये माफी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी वाली एक किताब को लेकर था। इस किताब में ज्यूडिशियल करप्शन पर एक चैप्टर था जिसे लेकर शीर्ष कोर्ट ने आपत्ति जताई थी।

एनसीईआरटी ने कहा कि पूरी टेक्स्टबुक वापस ले ली गई है। क्लास 8 की सोशल साइंस टेक्स्टबुक में कहा गया था है कि करप्शन, केसों का बहुत बड़ा बैकलॉग और जजों की सही संख्या की कमी ज्यूडिशियल सिस्टम के सामने आने वाली चुनौतियों में एक हैं। एक बयान में, एनसीईआरटी ने कहा, 'नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग ने हाल ही में एक सोशल साइंस टेक्स्टबुक, 'एक्सप्लोरिंग सोसाइटी: इंडिया एंड बियॉन्ड' ग्रेड 8 (पार्ट 2) पब्लिश की है, जिसमें 'द रोल ऑफ ज्यूडिशियरी इन अवर सोसाइटी' टाइटल वाला चैप्टर 4 था। इसमें कहा एनसीईआरटी के डायरेक्टर और सदस्य उस चैप्टर चार के लिए बिना शर्त और बिना किसी शर्त के माफी मांगते हैं। किताब वापस ले ली गई है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली वाली तीन जजों की बेंच ने एनसीईआरटी की किताबों में ज्यूडिशियरी के बारे में 'आपत्तिजनक' बयानों पर खुद से संज्ञान लिया था, कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी ने मामले को तुरंत विचार के लिए कहा था।

मोहन कैबिनेट में 3 फीसदी महंगाई भत्ते को मंजूरी मिली

भोपाल, एजेंसी

मप्र कैबिनेट ने आज प्रदेश के कर्मचारियों और पेंशनर्स को 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने की घोषणा का औपचारिक अनुमोदन कर दिया। बैठक में खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध के चलते प्रदेश में रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति तथा व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई, ताकि आपूर्ति प्रभावित न हो और आवश्यक तैयारियां की जा सकें। बैठक में अनुराग जैन के स्थान पर प्रभारी मुख्य सचिव और अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा उपस्थित रहे। वहीं बैठक में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और प्रह्लाद पटेल शामिल नहीं हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान की केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने सराहना की है।

सदन में लगे 'देश को बचाना है, मोदी को हटाना है' के नारे

लोकसभा में स्पीकर बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश, 10 घंटे होगी चर्चा

नईदिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में आज विपक्ष ने स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। 50 से ज्यादा सांसदों ने पक्ष में वोट किया। इसके बाद पीठासीन अध्यक्ष ने प्रस्ताव पेश करने की परमिशन दे दी। अब इस प्रस्ताव पर 10 घंटे चर्चा चलेगी। विपक्ष ने ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात करने का आरोप लगाया है। इस दौरान कांग्रेस ने स्पीकर की गैर-मौजूदगी में डिप्टी स्पीकर के नियुक्त ना करने पर सवाल उठाए। कहा कि चेयर पर बैठे पीठासीन जगदंबिका पाल कैसे इस दौरान कार्यवाही चला सकते हैं। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि देश का नेतृत्व कमजोर और बुजदिल है।

विपक्ष ने पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध, भारत पर इसके असर और देश के एनर्जी सेक्टर के हालात पर चर्चा की मांग पर हंगामा किया। विपक्ष ने 'देश को बचाना है, मोदी को हटाना है के नारे लगाए। साथ ही चुनाव आयोग पर वोट की दलाली करने के आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। प्रश्नकाल के दौरान किसानों और कृषि से जुड़े सवालों का केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जवाब दिए। उन्होंने कहा कि चावल, गेहूं उत्पादन में भारत चीन से आगे निगल गया है। शिवराज सिंह के भाषण के दौरान विपक्ष लगातार हंगामा करता रहा।इसके बाद सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित हुई। बाद में अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव पेश हुआ।

चंद पलों की खुशी पर हावी होती ट्रम्प की खीझ... इसकी कई हैं वजह

अमेरिकी सीनेट के दोनों सदनों द्वारा ईरान युद्ध रोकने के प्रस्ताव को सिरे से खारिज किए जाने से राष्ट्रपति ट्रम्प को मिली खुशी ज्यादा नहीं टिक सकी। ब्रिटेन के साथ फ्रांस के राष्ट्रपति मैन्युल मैक्रो से लेकर जर्मन चांसलर और स्पेन ने भी उनसे किनारा कर लिया। वेनेजुएला में अपने आपरेशन से उछलते ट्रम्प ने जब ग्रीन लैंड पर कब्जा करने की मंशा जताई थी तभी से ब्रिटेन सहित यूरोपीय संघ के ज्यादातर देश ट्रम्प से उखड़ने लगे थे। अमेरिका जिस नाटो संगठन के जरिए अपनी शतरंजी चालें चलता था, उसका अहसास भी इन देशों को हो गया। वे समझ गए कि ट्रम्प उनका इस्तेमाल मोहरे के बतौर कर रहे हैं। खासतौर पर रूस के खिलाफ जंग में उन्हें यूक्रेन की मदद के लिए झोंका गया। उसके साइड इफेक्ट यूरीपीय यूनियन ने ही झेले।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

जिद और विध्वंस - पार्ट 2

भारत का रूख साफ, संयमित और संतुलित

भारत से इतर देखें तो अमेरिका की सीनेट देश हित के मामले में एकजुट हो जाती है। इसके विपरीत भारत के विपक्षी दलों खासतौर पर कांग्रेस का रवैया भले भारत सरकार और उसके मुखिया नरेंद्र मोदी के खिलाफ हो लेकिन ऐसे नाजुक मसलों पर देश की जनता अपनी सरकार के साथ खड़ी दिखती है। अमेरिका और भारत की लोकतांत्रिक फितरत का यही बड़ा अंतर है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी विदेश मामलों की सलाहकार मंडली का रवैया स्पष्ट है। वे किसी भी देश का पक्षकार बनने की बजाए, सभी को शांति कायम करके बातचीत से समाधान खोजने की सलाह दे रहे हैं। मिडिल ईस्ट के देशों से भी उसका निरंतर संवाद है। यह इसलिए भी वाजिब है क्योंकि वहां लाखों भारतीय काम करते हैं। भारत अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी में भी जुटा है। तेल की आपूर्ति और खाड़ी देशों से रसद पानी की निरंतरता की खातिर उसने स्ट्रेट ऑफ हरमुज के मात्र 33 किलोमीटर संकरे रास्ते से भारतीय मालवाहकों की सुरक्षित आवाजाही भी सुनिश्चित की है। अमेरिका और इजराइल ने भले चाबहार शहर को निशाना बनाया लेकिन भारत के उस चाबहार पोर्ट को हमलों से महफूज रखा है। भारत का इसमें लाखों करोड़ का निवेश है। भारत ने चाबहार पोर्ट को चीन द्वारा पाक की जमीन पर बनाए गए ग्वादर पोर्ट की काट के बतौर तैयार किया है।

ब्रिटेन ने जब अपना समुद्री बेड़ा ईरान की तरफ भेजकर टूटते रिश्तों को रफू करने की कोशिश की तो ट्रम्प ने उसे उल्टे पैर लौटा दिया। दंभ से भरे ट्रम्प ने साफ कर दिया कि वे अपनी लड़ाई खुद लड़ेंगे। अमेरिकी सीनेट से मिली खुशी को टैरिफ ट्रिक गैरकानूनी घोषित करके अमेरिकी सर्वोच्च अदालत ने भी बड़ा झटका दिया। वसूले गए अतिरिक्त टैरिफ को लौटाने का फरमान सुनाकर टैरिफ कोर्ट ने उन्हें गहरी मुसीबत में डाल दिया। ट्रम्प की टैरिफ ट्रिक से मंहगाई का दंश झेलती अमेरिकी जनता में उनके खिलाफ पहले से ही रोष था। अब ईरान की जंग जब भी थमेगी, लहुलुहान अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए टैक्स का बोझ डालकर अपनी जनता को वे और रूष्ट करेंगे। ईरान को लेकर अपनी हसरतों की बलि चढ़ते देख ट्रम्प बुरी तरह झुंझलाहट में हैं। इजराइल की मदद से ईरानी सैन्य ठिकानों के साथ नागरिक ठिकानों को भी निशाना बनाने के बाद वे उसके तेल भंडारों पर भी हमले कराने लगे हैं। साफ है कि वह हताश हैं। मान चुके हैं कि ईरान के तेल पर उनका न तो नियंत्रण आसान है और न उनकी मंशा के मुताबिक अमेरिका के यस मैन की ताजपोशी । खीजे ट्रम्प ने सात और आठ मार्च की रात तेल रिफाइनरियों पर निशाना साधा तो ईरान के आईआरजीसी ने चंद घंटों के भीतर पलटवार करके बहरीन के पास डटे अमेरिका के समुद्री बेड़े पर हमला करके 21 सैनिकों को मारने और दर्जनों को घायल कर उसके नेवी जहाज पर मौजूद कई विमानों को निशाना बनाने का दावा कर डाला। लब्बोलुआब यही है कि ईरान को वह भले नेस्तनाबूत कर डालें लेकिन उनके अरमानों पर साफ तौर पर पानी फिरता दिख रहा है। जब भी यह जंग थमेगी तो यूरोपीय देशों के साथ ही अमेरिकी जनता भी उनसे हिसाब जरूर मांगेगी। जवाब देना होगा कि इस कवायद से अमेरिका को क्या हासिल हुआ? खाड़ी देश भी सोचेंगे कि अमेरिका के साथ रहें या फासले बनाकर चलें।

- समाप्त

अब दिनभर में मुश्किल से 100 यात्री, पार्किंग और सुविधाओं की कमी बनी वजह

उम्मीदों पर फिरा पानी, दो महीने में ही ट्रैक पर खाली दौड़ रही मेट्रो ट्रेन, सूने पड़े स्टेशन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में आधुनिक परिवहन व्यवस्था के सपने के साथ शुरू हुई भोपाल मेट्रो दो महीनों के भीतर ही यात्रियों की कमी से जूझती नजर आ रही है। भोपाल मेट्रो 21 दिसंबर 2025 को बड़े आयोजन के साथ आम जनता के लिए सेवा शुरू की गई थी। पहले ही दिन करीब सात हजार यात्रियों ने मेट्रो में सफर कर उत्साह दिखाया था। हालांकि, वर्तमान स्थिति इसके विपरीत है। 800 यात्रियों की क्षमता वाली मेट्रो ट्रेन अब खाली पटरियों पर दौड़ती दिखाई दे रही है। शुरुआती सप्ताह में स्टेशनों पर जो भीड़ नजर आई थी, वह अब पूरी तरह कम हो चुकी है।

फेरे घटाकर 13 किए गए

यात्रियों की संख्या में गिरावट को देखते हुए मेट्रो प्रबंधन ने रोजाना संचालित 17 फेरों को घटाकर 13 कर दिया है। इसके बावजूद स्थिति में खास सुधार नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार इन 13 फेरों को मिलाकर भी दिनभर में करीब 100 यात्री ही सफर कर रहे हैं। कई ट्रिप तो ऐसी भी होती हैं, जिनमें एक भी यात्री सवार नहीं होता। प्रबंधन का मानना है कि शुरुआती दिनों में लोग केवल घूमने के उद्देश्य से आ रहे थे, जिसे स्थायी यात्री संख्या समझ लिया गया। सूत्रों के अनुसार एमपी नगर स्टेशन पर लगे एस्केलेटर सिग्नल सिस्टम से अब तक नहीं जुड़ पाए हैं। परिणामस्वरूप दोपहर 12 बजे से पूरे दिन एस्केलेटर खाली रहने पर भी चलते रहते हैं, जिससे रोजाना हजारों यूनिट बिजली की खपत हो रही है।

बुनियादी सुविधाओं की कमी बड़ी वजह

मेट्रो की कम होती लोकप्रियता के पीछे बुनियादी सुविधाओं की कमी को प्रमुख कारण माना जा रहा है। सुभाष नगर, केवी-1, आरकेएमपी और एम्स जैसे प्रमुख स्टेशनों पर अब तक व्यवस्थित वाहन पार्किंग की सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाई है। सुभाष नगर और केवी-1 स्टेशन पर दिव्यांगों के लिए आरक्षित स्थानों पर अवैध पार्किंग की स्थिति बनी हुई है। वहीं कुछ स्टेशनों पर निर्माण कार्य अभी भी अधूरा है, जिससे यात्रियों को असुविधा और असुरक्षा का एहसास होता है।

कमर्शियल योजना भी हो रही प्रभावित

यात्रियों की कम संख्या के चलते स्टेशनों को कमर्शियल हब बनाने की योजना भी प्रभावित होती दिख रही है। दुकानों के लिए निवेशक आगे नहीं आ रहे हैं। इस स्थिति में मेट्रो प्रबंधन स्कूली बच्चों के शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से भीड़ बढ़ाने और जागरूकता लाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि ट्रांजिट-ओरिएंटेड डेवलपमेंट माडल के तहत खाली जगहों का उपयोग किया जाएगा। इससे अतिरिक्त आय होगी और जनता को सुविधाएं मिलेंगी। इच्छुक संस्थान निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार आवेदन कर सकते हैं।

महिलाओं ने की बासौड़ा की पूजा

भोपाल। फतेहगढ़ स्थित शीतला सप्तमी पर शीतला माता मंदिर में बासौड़ा की पूजा करती महिलाएं। - फोटो निर्मल व्यास

बिना अनुमति आयोजन पर कार्रवाई, दो माह तक लागू रहेगा आदेश

धरना, रैली और जुलूस निकालने से पहले लेनी होगी पुलिस की अनुमति

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में अब धरना-प्रदर्शन, जुलूस, रैली और आमसभा आयोजित करने से पहले पुलिस की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति कार्यक्रम आयोजित करने पर आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत यह प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश अगले दो माह तक प्रभावी रहेगा। हथियार, विस्फोटक और मशाल जुलूस पर रोक पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किसी भी रैली या कार्यक्रम में हथियार या विस्फोटक सामग्री लाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा मशाल जुलूस निकालने पर भी रोक लगाई गई है। साथ ही किसी समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले भाषण या प्रकाशन पर भी सख्त प्रतिबंध रहेगा। बता दें भोपाल राजधानी होने के कारण यहां कर्मचारी संगठनों, छात्र संगठनों, राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों द्वारा अक्सर विरोध प्रदर्शन किए जाते हैं। सामान्य दिनों में शहर में औसतन प्रतिदिन 3 से 5 छोटे-बड़े धरना-प्रदर्शन होते हैं। इनमें ज्ञापन सौंपना, प्रतीकात्मक प्रदर्शन या धरना शामिल रहता है। विधानसभा या लोकसभा चुनाव, भर्ती घोटालों या कर्मचारी आंदोलनों जैसे बड़े मुद्दों के दौरान विरोध प्रदर्शनों की संख्या अचानक बढ़ जाती है। ऐसे में एक ही दिन में 10 से 15 तक धरना-प्रदर्शन और रैलियां आयोजित होने लगती हैं।

समाज की विसंगतियों को निर्भीकता से रेखांकित करे लघुकथा - डॉ. अशोक भाटिया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

समकालीन लघुकथा समाज में मौजूद विसंगतियों को निर्भीकता से रेखांकित कर उन पर प्रहार करे। आज राष्ट्र ही नहीं विश्व भर में मानवता के विरुद्ध अनेक कार्य किये जा रहे हैं। ऐसे में हमें निरंकुश शक्तियों के विरुद्ध खतरे उठाकर भी अपनी बात रखनी होगी।

यह उदगार हैं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अशोक भाटिया के। वे लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल एवं दिल्ली शाखा द्वारा विष्णु प्रभाकर प्रतिष्ठान दिल्ली के सहयोग से आयोजित भारतीय लघुकथा पर्व एवं 'बढ़ते कदम' लघुकथा प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार और विष्णु प्रभाकर प्रतिष्ठान के अध्यक्ष अतुल प्रभाकर, वरिष्ठ साहित्यकार लक्ष्मीशंकर वाजपेयी, वरिष्ठ साहित्यकार और अनुवादक सुभाष नीरव, वरिष्ठ लघुकथाकार समीक्षक डॉ. बलराम अग्रवाल सुपरिचित व्यंग्यकार और समलोचक सुभाष चन्दर साहित्यकार ऋषिकुमार कुमार शर्मा ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर लोकार्पित कृतियां हुईं थीं बढ़ते कदम -सम्पादक -कांता रॉय, मासूम मन-संपादन- मृदुल त्यागी, ग्राम्या-संपादन -डॉ. गिरजेश सक्सेना, प्रलेखित यात्रा-कांता रॉय, लघुकथा वृत्त-कांता रॉय, नेकी कर दरिया में डाल - मनमोहन चौरे, विदेशिया - सतीश श्रीवास्तव, कतार में लगे लोग -डॉ. वर्षा ढोबले, सेरोगेसी - सम्पादक -शेफालिका श्रीवास्तव, किन्नर विमर्श-सम्पादक मधुलिका सक्सेना, मैथिली लघुकथाएं, पंजाब से लघुकथाएं-जगदीश राय कुलारिया, हरियाणा से लघुकथाएं सम्पादक -डॉ. राधेश्याम भारतीय और दिल्ली दास्तां -सम्पादक कांता रॉय। इस अवसर पर लघुकथा प्रतियोगिता 'बढ़ते कदम' के प्रतिभागियों का शॉल श्रीफल अभिनंदन पत्र व सम्मान निधि भेंटकर पुरस्कृत किया गया। दिल्ली के महेश दर्पण को उनके लघुकथा में समग्र अवदान हेतु अखिल भारतीय माधवराव सप्रे स्मृति लघुकथा अलंकरण प्रदान किया गया। स्वागत उदबोधन एवं आधार वक्तव्य केंद्र की निदेशक श्रीमती कांता रॉय ने दिया। कार्यक्रम का संचालन केंद्र के महासचिव लघुकथाकार घनश्याम मैथिल अमृत ने किया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक और हिंदी कार्यशाला हुई

भोपाल। रेल भर्ती बोर्ड, भोपाल कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक व हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। तिमाही समीक्षा बैठक श्रीमती रश्मि दिवाकर, अध्यक्ष, रेलवे भर्ती बोर्ड की अध्यक्षता में संपन्न हुई। राजभाषा अधिकारी अनिल कुमार सिन्हा ने औपचारिक जानकारी दी। निरीश कुमार राजपूत ने दिवाकर का पौधा भेंटकर का स्वागत किया। दिवाकर ने कहा कि हिंदी एक भाषा ही नहीं बल्कि अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम भी है। हिंदी ही एक ऐसी कड़ी है जो विविधता से भरे भारत देश को एकता के सूत्र में बांधने की क्षमता रखती है।

राजभाषा नियम 1976 के अनुसार हमारा कार्यालय 'क' क्षेत्र के अंतर्गत आता है। हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि हम अपना दैनिक सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में ही करें, जिससे भर्ती प्रक्रिया से संबंधित समस्त बातों का संप्रेषण आम जनता तक उनकी भाषा में हो और हम अपने कार्य को और अधिक सहज रूप में निष्पादित कर सकें। बैठक के उपरांत संघ की राजभाषा नीति और संवैधानिक प्रावधान विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कार्यालय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक का संचालन एवं आभार प्रदर्शन राकेश कुमार मालवीय ने किया।

वीएनएस समूह में कार्यक्रम आयोजित

छात्रों को विज्ञान, नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वीएनएस समूह में 'विज्ञान में महिलाएं विकसित भारत के निर्माण की प्रेरक शक्ति' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके माध्यम से विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तकनीकी शिक्षा संचालनालय मध्यप्रदेश के अतिरिक्त संचालक डॉ. वाई. एस. ठाकुर ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को विज्ञान, नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा विज्ञान में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर ग्रुप डायरेक्टर डॉ. डी. के. स्वामी एवं प्राचार्य डॉ. आर. के. अग्रवाल ने भी अपने प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि विज्ञान ही राष्ट्र की प्रगति का आधार है और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही भारत देश इस दिशा में आगे बढ़ेगा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें विज्ञान आधारित लघु वीडियो, चित्रकला, प्रश्नोत्तरी तथा कबाड़ से उपयोगी वस्तु बनाने जैसी गतिविधियां शामिल थीं, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर समूह निदेशक डॉ. डीके स्वामी, प्राचार्य डॉ. आरके अग्रवाल और उपप्राचार्य डॉ. अनिल खंडेलवाल सहित अन्य शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच अपनाने और नवाचार की दिशा में काम करने को कहा। कार्यक्रम का समापन कंप्यूटर साइंस के विभागाध्यक्ष डॉ. एसके पांडेय द्वारा दिये गए धन्यवाद एवं आभार प्रस्ताव के साथ हुआ।

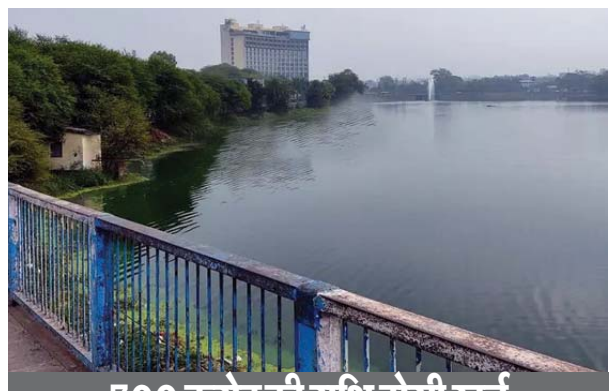

760 करोड़ की राशि होगी खर्च

तालाब, बावड़ी और नालों से हटाया जाएगा अतिक्रमण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

'जल गंगा संवर्धन अभियान' शुरू किया जा रहा है। चैत्र नवरात्र से प्रारंभ होने वाले इस अभियान के तहत तालाब, बावड़ी, नदियों और नालों से अतिक्रमण हटाने के लिए व्यापक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जल संरचनाओं के संरक्षण, सफाई और विकास कार्यों पर 760 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च करने की योजना बनाई गई है। प्रदेश में पारंपरिक जल स्रोतों को संरक्षित करने और शहरी क्षेत्रों में जल प्रबंधन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने इस संबंध में सभी जिलों के कलेक्टरों, नगर निगम आयुक्तों और मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं, ताकि अभियान को प्रभावी तरीके से लागू किया जा सके।

जल स्रोतों के आसपास किए गए अतिक्रमण हटाने के निर्देश- अभियान के तहत पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए तालाबों, नदियों, बावड़ियों और नालों के किनारों पर किए गए अतिक्रमण को चिन्हित कर उन्हें हटाने की कार्रवाई की जाएगी। विभाग का मानना है कि जल संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त करने से उनका प्राकृतिक स्वरूप फिर से बहाल होगा और वर्षा जल का प्रवाह बाधित नहीं होगा। इससे भू-जल स्तर में भी सुधार होने की संभावना है। इसके लिए स्थानीय प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतने और अभियान को प्राथमिकता के साथ लागू करने के निर्देश दिए हैं।

जल संरक्षण के इस अभियान को जनआंदोलन बनाने के लिए युवाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है। इसके तहत 5000 युवाओं को 'अमृत मित्र' के रूप में माए भारत पोर्टल पर पंजीकृत किया जाएगा। ये युवा जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। प्रशासन और जनसहभागिता के समन्वय से यह अभियान प्रदेश में जल संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिणाम देगा। नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए 100 प्रमुख नालों के शुद्धिकरण की योजना तैयार की गई है। इस कार्य पर करीब 664 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा विभाग ने 1000 जलग्रहण संरचनाओं के वैज्ञानिक तरीके से संवर्धन और 5000 नाले-नालियों की सघन सफाई व सौंदर्यीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया है।

मेट्रो एंकर

टीएसआई बैच के आधारभूत प्रशिक्षण का शुभारंभ परिवहन आयुक्त ने किया

तकनीकी रूप से रहें अपडेट, कार्य में व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाएं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

परिवहन उप निरीक्षकों के लिए आयोजित 90 दिवसीय आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया। मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी में परिवहन उप निरीक्षक बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों के आधारभूत प्रशिक्षण का उद्घाटन परिवहन आयुक्त, मध्यप्रदेश उमेश जोगा तथा मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी के उप निदेशक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने किया।

इस दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों को आंतरिक (इनडोर) एवं आउटडोर कक्षाओं के माध्यम से व्यवसायिक दक्षता प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही फायरिंग प्रशिक्षण तथा कंप्यूटर आधारित तकनीकी कक्षाएं भी संचालित की जाएंगी, जिससे प्रशिक्षु अधिकारी आधुनिक पुलिसिंग एवं परिवहन प्रबंधन से संबंधित आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। मुख्य अतिथि परिवहन आयुक्त उमेश जोगा ने कहा कि परिवहन संबंधी कानूनों की गहन समझ और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कानूनी ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को तकनीकी रूप से अपडेट रहने, कार्य के दौरान व्यावहारिक (प्रैक्टिकल) दृष्टिकोण अपनाने तथा आमजन के प्रति संवेदनशील व्यवहार बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के बाद राहत एवं सहायता से संबंधित शासन की योजनाओं का लाभ समय पर पीड़ितों तक पहुंचाना भी अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी के उपनिदेशक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अकादमी की विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों से प्रशिक्षुओं को अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में उप पुलिस अधीक्षक तिलक राज प्रधान ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रश्मि पांडे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्योति उमठ, परिवहन उपायुक्त किरण शर्मा, अकादमी के समस्त राजपत्रित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

एचपीवी वैक्सीन का एक टीका बेटियों को बचाएगा सर्वाइकल कैंसर से : सीएम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है किसर्वाइकल कैंसर बेटियों की जिंदगी में सबसे कठिन समय होता है। मध्यप्रदेश में बड़े पैमाने पर एचवीपी टीकाकरण अभियान की शुरुआत की गई है। इसमें 14 वर्ष से अधिक आयु की बेटियों को 4 हजार रुपए मूल्य का यह टीका नि:शुल्क लगाया जा रहा है। वैक्सीन का एक टीका गर्भाशय एवं ग्रीवा कैंसर के प्रति भविष्य में बेटियों को जीवनभर की सुरक्षा की गारंटी देगा और उन्हें गंभीर रोग से बचाएगा।

पीएम श्रम योगी मान-धन योजना अंतर्गत पंजीयन में मप्र देश में चौथे स्थान पर

भोपाल। प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना में 15 जनवरी से 8 मार्च 2026 तक आयोजित विशेष पंजीयन अभियान में श्रमिकों के पंजीयन में मध्यप्रदेश ने देश में चौथा स्थान प्राप्त किया है। मध्यप्रदेश के बैतूल में सर्वाधिक 1771 पंजीयन हुए है। बैतूल जिला देश के जिलों में दूसरे स्थान पर तथा नर्मदापुरम जिला 1501 पंजीयन के साथ तीसरे स्थान पर रहा है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले रेहड़ी-पटरी वाले, रिक्शा चालक, घरेलू कामगार आदि जिनकी आयु 18 वर्ष से 40 वर्ष के बीच है तथा मासिक आमदनी 15 हजार रूपये से कम है, उनके लिये केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना प्रारम्भ की गई है। योजना में पंजीकृत श्रमिक को 60 वर्ष की आयु के बाद प्रतिमाह 3 हजार रुपये निश्चित मासिक पेंशन दिये जाने का प्रावधान है।

जियोपॉलिटिकल तनाव का असर मप्र पर भी

मिडिल ईस्ट जाने वाले 10 हजार पर्यटकों ने प्लान रोके, 60 करोड़ का कारोबार प्रभावित

बड़वानी/भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिडिल ईस्ट और यूरोप क्षेत्र में बढ़ते जियोपॉलिटिकल तनाव का असर अब मध्यप्रदेश के टूरिज्म सेक्टर पर दिखाई देने लगा है। दुबई और आसपास के देशों में जाने वाले यात्रियों की बुकिंग बड़े पैमाने पर प्रभावित हुई है। मेकमाय ट्रिप की भोपाल लोकेशन हेड ऋचा सिंह भदौरिया के अनुसार, इस सीजन में प्रदेश से लगभग 10 हजार लोगों के मिडिल ईस्ट यात्रा करने की उम्मीद थी, लेकिन हालात के कारण बड़ी संख्या में लोगों ने अपने प्लान रोक दिए हैं। 2 से 2.5 हजार बुकिंग्स सीधी प्रभावित ऋचा सिंह भदौरिया ने बताया कि करीब 2 से 2.5 हजार यात्रियों ने पहले से फ्लाइट और पैकेज बुक करा लिए थे, जिनकी बुकिंग सीधे प्रभावित हुई है। जबकि करीब 7 से 8 हजार संभावित यात्रियों ने स्थिति को देखते हुए नई बुकिंग ही नहीं कराई या अपनी इंक्वायरी वापस ले ली। उनके अनुसार, फिलहाल ट्रैवल पूरी तरह बंद नहीं हुआ है, लेकिन इंटरनेशनल टूरिज्म में स्पष्ट रूप से स्लोडाउन दिखाई दे रहा है।

करीब 60 करोड़ का कारोबार अटका

मिडिल ईस्ट के लिए औसत ट्रैवल पैकेज 60 से 70 हजार रुपए प्रति व्यक्ति होता है। यदि 60 हजार रुपए का औसत और 10 हजार यात्रियों का अनुमान लिया जाए तो करीब 60 करोड़ रुपए का संभावित ट्रैवल कारोबार प्रभावित माना जा सकता है। हालांकि इसमें से सभी मामलों में पूरी राशि का नुकसान नहीं होता, क्योंकि कई एयरलाइंस रिफंड या क्रेडिट शेल का विकल्प दे रही हैं।

60-70 फीसदी यात्रियों को पूरा रिफंड, आंशिक नुकसान

ट्रैवल इंडस्ट्री से मिले फीडबैक के अनुसार प्रभावित बुकिंग्स में से लगभग 60 से 70 प्रतिशत यात्रियों को पूरा रिफंड मिल गया है। यह उन मामलों में हुआ जहां एयरलाइंस ने खुद फ्लाइट रद्द या री शेड्यूल की। करीब 15 से 25 प्रतिशत यात्रियों को आंशिक नुकसान उठाना पड़ा है, जो मुख्य रूप से वीजा फीस, होटल कैंसिलेशन पॉलिसी या नॉन-रिफंडेबल बुकिंग के कारण हुआ। कई यात्रियों ने रिफंड के बजाय फ्यूचर ट्रैवल क्रेडिट या क्रेडिट शेल लेना भी चुना है। जिला-वार सटीक डेटा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं होता क्योंकि बुकिंग अलग-अलग एयरलाइंस, ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसियों और ट्रैवल एजेंट्स के माध्यम से होती है। लेकिन ट्रैवल ट्रेड के अनुभव के अनुसार भोपाल और इंदौर से इंटरनेशनल लीजर ट्रैवल ज्यादा होता है, इसलिए इन शहरों से कैंसिलेशन का असर भी अपेक्षाकृत ज्यादा देखा गया है। जबलपुर और ग्वालियर में भी असर है, लेकिन पूरे प्रदेश में फिलहाल स्थिति पूर्ण ठहराव की नहीं बल्कि धीमी पड़ने वाली बताई जा रही है।

क्रूज ट्रैवल में 30-40 फीसदी तक गिरावट

इंटरनेशनल क्रूज ट्रैवल भी प्रभावित हुआ है। सामान्य परिस्थितियों में क्रूज बुकिंग्स पहले से प्लान की जाती हैं, लेकिन वैश्विक अनिश्चितता के कारण इस सीजन में लगभग 30 से 40 प्रतिशत तक अस्थायी गिरावट देखी गई है। यात्रियों का रुझान फिलहाल क्रूज कैंसिल करने के बजाय उसे आगे की तारीख के लिए टालने का है। मौजूदा हालात का सबसे ज्यादा असर लीजर ट्रैवल सेगमेंट पर पड़ा है। इसमें फैमिली हॉलीडे, हनीमून ट्रिप और ग्रुप टूर शामिल हैं। इसके मुकाबले कॉर्पोरेट ट्रैवल अपेक्षाकृत स्थिर बना हुआ है, क्योंकि बिजनेस मीटिंग और काम से जुड़े ट्रैवल को पूरी तरह टालना कई बार संभव नहीं होता।

एयरलाइंस दे रहीं लचीले विकल्प

वर्तमान स्थिति को देखते हुए कई एयरलाइंस यात्रियों को लचीलापन देने की कोशिश कर रही हैं। कुछ एयरलाइंस क्रेडिट शेल की वैधता बढ़ा रही हैं, जबकि कई जगह यात्रियों को बिना अतिरिक्त शुल्क के भविष्य की तारीख पर रीबुकिंग का विकल्प दिया जा रहा है। ट्रैवल इंडस्ट्री का फोकस इस समय यात्रियों का भरोसा बनाए रखने और उन्हें सुरक्षित समय पर यात्रा की सुविधा देने पर है।

अगर तनाव लंबा चला तो स्लोडाउन बढ़ सकता है

ट्रैवल इंडस्ट्री के अनुसार फिलहाल स्थिति कोविड जैसी नहीं है क्योंकि फ्लाइट्स चालू हैं और यात्रा पूरी तरह बंद नहीं हुई है। लेकिन यदि जियोपॉलिटिकल तनाव अगले 2 से 3 महीने तक जारी रहता है, तो यात्रियों का भरोसा अस्थायी रूप से प्रभावित हो सकता है और इंटरनेशनल टूरिज्म में और अधिक गिरावट देखने को मिल सकती है। ट्रैवल सेक्टर का मानना है कि जैसे ही वैश्विक हालात सामान्य होंगे, यात्रा की मांग तेजी से वापस लौट सकती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान

1500 पंचायत, 163 शहरों के जलस्रोतों पर अतिक्रमण, कलियासोत-बेतवा भी शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र में अतिक्रमण को लेकर सरकार बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है। इस बार मामला केवल शहरों में ही नहीं, बल्कि गांव तक जाएगा। दरअसल, राज्य सरकार गुड़ी पड़वा से जल गंगा संवर्धन अभियान शुरू करने जा रही है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने इस अभियान के दौरान तालाबों, नदियों के कैचमेंट क्षेत्र और मुहाने से अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सीएम के निर्देश के बाद जो प्राथमिक जानकारी जुटाई गई है, उसमें पता चला है कि मप्र के 163 छोटे शहरों में मौजूद पुराने जलस्रोतों पर हो चुके कब्जों को चिन्हित किया जा रहा है। वहीं प्रदेश की डेढ़ हजार पंचायतों में भी अतिक्रमण सामने आए हैं।

इसके अलावा प्रदेश मप्र की छोटी-बड़ी मिलाकर करीब 207 नदियां हैं, इनमें से लगभग 70 नदियों के मुहाने और किनारे पर बड़े अतिक्रमण हो चुके हैं। इन्हें भी चिन्हित किया जा रहा है। इनमें भोपाल से निकलने वाली कलियासोत और बेतवा नदी भी शामिल है। प्रदेश के सभी जिलों में कलेक्टरों ने निर्देश दिए हैं कि इन अतिक्रमण को चिन्हित करके इनका रि?कार्ड तैयार करें। इसके अलावा शहरी क्षेत्र में पुरानी बावड़ी और कुंओं को भी अतिक्रमण से मुक्त कराया जाएगा। विभागीय मंत्री प्रहलाद पटेल ने बताया कि नदियों की अविरल धारा के लिए उन्हें अतिक्रमण से मुक्त करना जरूरी है।

ऐसे हटाया जाएगा अतिक्रमण

अभियान के पूर्व सभी पुराने और नए अतिक्रमणों को चिन्हित करके इसकी जानकारी जिला प्रशासन को दी जाएगी। फिर जिले से सभी राजस्व अधिकारियों को यह सूची जाएगी। इसमें देखा जाएगा कि कितनी सरकारी जमीन पर किस तरह का अतिक्रमण है और इसके बाद अतिक्रमणकारी को नोटिस दिया जाएगा। फिर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई होगी।

राज्य सरकार 19 मार्च को वर्ष प्रतिपदा (गुड़ी पड़वा) से प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान शुरू करेगी। प्रदेशभर में विक्रम संवत, पर्यावरण और जलीय संरचनाओं के संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम एक साथ किए जाएंगे। 23 से 24 मई को भोपाल में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय जल सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। 25 और 26 मई को क्षिप्रा परिक्रमा यात्रा, 26 मई को गंगा दशहरा पर उज्जैन में क्षिप्रा तट पर महादेव नदी कथा का आयोजन होगा। 30 मई से 7 जून तक भोपाल के भारत भवन में सदानीरा समागम होगा।

सड़क निर्माण में लापरवाही पर विधायक सख्त

हथौड़े मारकर परखा मजबूती को गिट्टी उखड़ते ही सुनाई खरी-खरी

गुना, दोपहर मेट्रो

जिले में सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। जनता की शिकायतों के बाद भाजपा विधायक पन्नालाल शाक्य सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण करने मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों का आरोप था कि हाल ही में बनी सड़क में भारी अनियमितताएं बरती गई हैं और घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है, जिससे सड़क जल्दी खराब होने लगी है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विधायक पन्नालाल शाक्य मौके पर पहुंचे और सड़क की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पहले हाथों से ही सड़क की ऊपरी परत को कुरेदकर उसकी गुणवत्ता परखी। इसके बाद उन्होंने खुद हथौड़ा उठाकर सड़क की मजबूती की जांच शुरू कर दी। विधायक द्वारा मौके पर

ही सड़क की परतें उखाड़कर जांच करने का दृश्य वहां मौजूद लोगों के लिए भी हैरान करने वाला था। इंच के दौरान सड़क की गिट्टी और डामर आसानी से उखड़ते देख विधायक ने नाराजगी जताई।

एमपी में वर्किंग एज में हो रही मौत, हर साल 60 हजार से ज्यादा मजदूरों की मौतें

भोपाल। मध्यप्रदेश में 60 साल से कम उम्र के मजदूरों की मौत के आंकड़ों ने सरकार की नींद उड़ा दी है। श्रम विभाग की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदेश में हर साल औसतन 60,000 से ज्यादा पंजीकृत श्रमिकों की मौत हो रही है । चौंकाने वाली बात यह है कि प्रदेश में औसत आयु करीब 67 वर्ष है, लेकिन बड़ी संख्या में मजदूर अपनी कार्यशील आयु 18 से 60 वर्ष के दौरान ही दम तोड़ रहे हैं। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए श्रम विभाग के सचिव ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को पत्र लिखकर निवारक स्वास्थ्य उपायों और जागरूकता के लिए 5 सूत्रीय कड़े निर्देश जारी किए हैं । 2024-25 के आंकड़े बताते हैं कि संबल योजना के तहत बड़ी संख्या में श्रमिकों की मौतों के बाद परिवारों को आर्थिक सहायता दी गई है। विभाग ने निर्देश दिया है कि अनुग्रह सहायता योजना मृत्यु लाभ के तहत स्वीकृत किए गए मामलों की जानकारी अब अनिवार्य रूप से ग्राम और वार्ड सभा की विषय सूची में शामिल की जाएगी ।

शिक्षकों की छंटनी के फैसले से एमपी में गुस्सा

पात्रता परीक्षा का विरोध बढ़ा, इस माह जिलेवार होंगी बैठकें, अप्रैल में बड़े प्रदर्शन की चेतावनी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शिक्षकों में पात्रता परीक्षा लिए जाने और छंटनी के स्कूल शिक्षा विभाग के आदेश के बाद 1995 के बाद सिलेक्ट हुए साढ़े चार लाख से अधिक शिक्षकों और उनके परिजनों में सरकार के एक्शन को लेकर गुस्सा है। इस मामले में शिक्षकों के संगठन पहले सरकार को फैसले पर पुनर्विचार करने और सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दायर करने के लिए आग्रह करेंगे। सरकार ने नहीं सुनी तो शिक्षक खुद कोर्ट का दरवाजा खटखटाकर। वे बताएंगे कि उनकी नियुक्ति सरकार के तब हुई भर्तियों के लिए प्रभावी नियमों के आधार पर ही हुई है। ई-अटेंडेंस के विरोध के बीच स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पात्रता परीक्षा लिए जाने संबंधी आदेश जारी किए जाने के बाद अब शिक्षक बच्चों की परीक्षा खत्म होने का इंतजार कर रहे

हैं। वे चाहते हैं कि सरकार के फैसले के विरोध के चलते बच्चों की पढ़ाई और रिजल्ट पर असर न पड़े, लेकिन 15 मार्च के बाद इनके विरोध में तेजी आना तय बताया जा रहा है। राज्य शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष भरत पटेल कहते हैं कि संघ की ओर से 12 अप्रैल को भोपाल में बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। इसी दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह से मिलकर आग्रह किया जाएगा कि शिक्षकों और उनके परिवारजनों को हित को देखते हुए सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन लगाए।

सरकार से रिव्यू पिटीशन का आग्रह करेंगे

राज्य अध्यापक संघ के प्रांताध्यक्ष जगदीश प्रसाद यादव कहते हैं कि प्रदेश के सभी जिलों में अध्यापक संघ के पदाधिकारियों की बैठक 15 मार्च को होगी। इसमें आगामी रणनीति तय करने के साथ मार्च के अंत तक सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दायर करने पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। यादव कहते हैं कि 2009 में केंद्र सरकार द्वारा आरटीई लागू होने के बाद एमपी सरकार ने 2011 से यह कानून लागू किया है। इसके बाद जो भी परीक्षाएं हो रही हैं वह आरटीई के आधार पर ही हो रही हैं। इसके पहले जो कानून और व्यवस्था तय थी। सरकार ने उसी के आधार पर भर्तियां की हैं। यादव ने कहा कि यूपी, जम्मू कश्मीर समेत देश के पांच से छह राज्यों ने इस मामले मे रिव्यू पिटीशन दायर कर स्थगन लिया है।

राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव के लिए 12 मई को होगी वोटिंग

इंदौर। राज्य अधिवक्ता परिषद के पांच वर्ष में एक बार होने वाले चुनाव के लिए अधिसूचना जारी हो गई है। इसके मुताबिक 12 मई को पूरे प्रदेश में एक साथ मतदान होगा। मतगणना 16 जून से शुरू होगी। कार्यकारिणी सदस्य के 25 में से सात पद इस बार महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं, लेकिन इनमें से सिर्फ पांच पद के लिए ही चुनाव होगा। शेष दो पदों पर मनोनयन किया जाएगा। प्रदेशभर के लगभग 87 हजार वकील इस चुनाव में हिस्सा लेंगे। राज्य अधिवक्ता परिषद के लिए प्रारंभिक मतदाता सूची 16 मार्च को जारी कर दी जाएगी। 24 मार्च तक इस प्रारंभिक मतदाता सूची को लेकर दावे-आपत्तियां प्रस्तुत किए जा सकेंगे। एक अप्रैल को अंतिम मतदाता सूची जारी हो जाएगी।

मतपेटियों को जबलपुर भेजा जाता है

8, 9 और 10 अप्रैल को नामांकन फार्म जमा कराया जा सकेगा। 15 और 16 अप्रैल को नामांकन फार्म की जांच होगी। 20 से 22 अप्रैल शाम चार बजे तक नाम वापस लिया जा सकेगा। 22 अप्रैल को शाम पांच बजे प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी। मतदान के बाद सभी मतपेटियों को सीलबंद कर जबलपुर भेजा जाता है। वहां 16 जून से मतगणना शुरू होगी।

सिर्फ उन्हीं वकीलों को मतदान का अधिकार प्राप्त होगा, जिन्होंने प्रविधानों के तहत अपना सत्यापन करवा लिया है। नामांकन फार्म जमा करने के लिए प्रत्याशियों को तीन दिन मिलेंगे।

मेट्रो एंकर मिट्टी से जुड़ा हौसला बना ग्रामीण महिला की पहचान

पूजा माहौरे ने प्राकृतिक खेती से रची सफलता की मिसाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कहते हैं मेहनत और सही दिशा में उठाया गया कदम जिंदगी की तस्वीर बदल देता है। छिंदवाड़ा जिले के ग्राम रोहनाकला की महिला किसान पूजा माहौरे की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। कभी बढ़ती लागत और घटती पैदावार से चिंतित रहने वाली पूजा आज प्राकृतिक खेती और पशुपालन के माध्यम से आत्मनिर्भर बन चुकी हैं और हर महीने लगभग 40 हजार रुपये की अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। पति तरुण माहौरे के साथ मिलकर उन्होंने खेती को नया स्वरूप दिया और आज वे अपने क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं।

पूजा माहौरे के पास लगभग 10 एकड़ कृषि भूमि है। पहले वे पारंपरिक

तरीके से रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग कर खेती करती थीं। लेकिन समय के साथ खेती की लागत बढ़ने लगी और मिट्टी की उर्वरता भी कम होने लगी। इससे खेती का लाभ घटता गया और भविष्य को लेकर चिंता बढ़ने लगी। इसी बीच कृषि विभाग की आत्मा परियोजना के अंतर्गत उन्हें कृषि सखी के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। यहां उन्हें नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग के तहत प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने बीजामृत, जीवामृत, पंचगव्य, निर्मास्त्र और ब्रह्मास्त्र जैसे जैविक घोल तैयार करना और उनका उपयोग करना सीखा। प्रशिक्षण से मिली जानकारी को उन्होंने अपने खेतों में लागू किया और धीरे-धीरे प्राकृतिक खेती की ओर कदम बढ़ा दिए। आज पूजा माहौरे अपने खेत के लगभग एक एकड़ क्षेत्र में रसायन मुक्त सब्जियों की खेती कर रही हैं। उनकी सब्जियां पूरी तरह प्राकृतिक होने के कारण बाजार में उनकी मांग अधिक है। वे अपने उत्पाद प्राकृतिक जैविक हाट बाजार में बेचती हैं, जहां उन्हें अच्छा मूल्य मिलता है। सब्जियों की बिक्री से उन्हें लगभग 10 हजार रुपये प्रतिमाह शुद्ध लाभ प्राप्त हो रहा है।

पशुपालन बना आय का मजबूत आधार

प्राकृतिक खेती के साथ-साथ पूजा माहौरे ने देसी गिर और साहीवाल नस्ल की 10 गायों का पालन भी शुरू किया। इन गायों के दूध की बिक्री से उन्हें लगभग 30 हजार रुपये प्रतिमाह शुद्ध आय प्राप्त हो रही है। इस तरह खेती और पशुपालन के समन्वय से उनकी कुल अतिरिक्त आय लगभग 40 हजार रुपये प्रतिमाह हो गई है। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय मिलेट मेले में पूजा माहौरे ने प्राकृतिक और जैविक सब्जियों की दुकान लगाई, जिसे लोगों ने खूब सराहा। उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें संयुक्त संचालक कृषि और उपसंचालक कृषि द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

युद्ध की कीमत, अर्थव्यवस्था पर बोझ

मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव और ईरान के साथ सैन्य टकराव ने न केवल क्षेत्रीय सुरक्षा को चुनौती दी है बल्कि इसके आर्थिक प्रभाव भी दूरगामी हो सकते हैं। यदि संघर्ष लंबा खिंचता है तो इसका प्रत्यक्ष वित्तीय बोझ अमेरिका और इजराइल के सरकारी खजाने पर पड़ेगा। युद्ध केवल सैन्य रणनीति का मामला नहीं होता, यह राष्ट्रों की अर्थव्यवस्था, बजट व्यवस्था और आम नागरिकों के जीवन पर भी गहरा प्रभाव डालता है।

अमेरिका का रक्षा बजट पहले ही दुनिया में सबसे बड़ा है और हर वर्ष लगभग 850 से 900 अरब डॉलर के बीच रहता है। यदि ईरान के साथ सैन्य अभियान तेज होता है तो रोज़ाना अरबों डॉलर का अतिरिक्त खर्च जुड़ सकता है। युद्धपोतों की तैनाती, लड़ाकू विमानों के अभियान, मिसाइल इंटरसेप्टर और खुफिया संचालन जैसे खर्च बहुत तेजी से बढ़ते हैं। ईराक और विएतनाम युद्ध के दौरान अमेरिकी सरकार को भारी वित्तीय दबाव झेलना पड़ा था। हालांकि अमेरिका की विशाल अर्थव्यवस्था इस खर्च को सहने में सक्षम है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि इसका असर नहीं होगा। बढ़ते रक्षा खर्च से संघीय बजट घाटा और राष्ट्रीय कर्ज बढ़ सकता है। दूसरी ओर, इज़राइल के लिए यह आर्थिक चुनौती कहीं अधिक गंभीर हो सकती है। उसकी अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत छोटी है और उसका सकल घरेलू उत्पाद लगभग 500 अरब डॉलर के आसपास है। यदि लंबे समय तक सैन्य कार्रवाई जारी रहती है तो रोजाना सैकड़ों मिलियन डॉलर का अतिरिक्त रक्षा खर्च सरकार को उठाना पड़ सकता है। पहले से ही सुरक्षा स्थिति के कारण इज़राइल को अपने रक्षा बजट का बड़ा हिस्सा सेना और मिसाइल रक्षा प्रणालियों पर खर्च करना पड़ता है। युद्ध की स्थिति में आर्थिक गतिविधियाँ भी प्रभावित होती हैं। इज़राइल का पर्यटन क्षेत्र तुरंत प्रभावित होता है क्योंकि अस्थिरता के समय अंतरराष्ट्रीय पर्यटक यात्रा से बचते हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में रिजर्व सैनिकों को सेना में बुलाया जाता है, जिससे उद्योग, व्यापार और तकनीकी क्षेत्र में श्रमबल की कमी पैदा होती है। अमेरिका और इज़राइल दोनों में आम नागरिकों को भी इस स्थिति के साइड इफेक्ट झेलने पड़ सकते हैं। अमेरिका में इसका प्रभाव मुख्यतः आर्थिक रूप में दिखाई देगा। यदि मध्य-पूर्व में तनाव बढ़ता है तो वैश्विक तेल कीमतें बढ़ सकती हैं, जिससे पेट्रोल और ऊर्जा लागत में वृद्धि होती है। यह वृद्धि परिवहन और खाद्य वस्तुओं की कीमतों को भी प्रभावित करती है। दूसरी ओर, इज़राइल के नागरिकों को आर्थिक दबाव के साथ-साथ प्रत्यक्ष सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। मिसाइल अलर्ट, बंकरों में शरण और लगातार सुरक्षा सतर्कता जैसी स्थितियाँ रोज़मर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन सकती हैं। स्पष्ट है कि किसी भी आधुनिक युद्ध की असली कीमत केवल युद्धक्षेत्र में नहीं चुकाई जाती। इसका बोझ सरकारी खजाने, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और आम नागरिकों के जीवन पर भी पड़ता है। ईरान के साथ बढ़ता टकराव यदि लंबे समय तक जारी रहता है तो अमेरिका और इज़राइल दोनों को आर्थिक और सामाजिक स्तर पर इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

अमेरिका के सामने झुक गया भारत ! आरोप, कूटनीति और वैश्विक हकीकत

डॉ. मयंक चतुर्वेदी
स्तंभकार

भारतीय राजनीति में आरोपों की कमी कभी नहीं रहती। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया है, किंतु जब आरोप तथ्यों और वैश्विक वास्तविकताओं से कटकर राजनीतिक बयान बन जाते हैं तब वे स्वभाविक तौर पर अपनी गंभीरता खो देते हैं। हाल के दिनों में कांग्रेस की ओर से यह आरोप लगाया गया कि भारत की सरकार अमेरिका के सामने झुक गई है, ठीक वैसा ही है।

वस्तुतः यह आरोप सुनने में भले ही तेज और आक्रामक लगे, पर यदि इसे वैश्विक राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंधों और दुनिया की वास्तविक परिस्थितियों की रोशनी में देखा जाए तो यह लगभग खोखला और निराधार प्रतीत होता है। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि दुनिया की शक्ति संरचना कैसी है। आज भी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में कुछ ही देश ऐसे हैं जिनका प्रभाव राजनीति, अर्थव्यवस्था, तकनीक और सुरक्षा के क्षेत्र में व्यापक रूप से दिखाई देता है। अमेरिका उन देशों में सबसे प्रमुख है। उसकी अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, उसकी तकनीकी कंपनियां वैश्विक नवाचार की दिशा तय करती हैं और उसकी सैन्य शक्ति का प्रभाव अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। यही कारण है कि दुनिया भर के देश उसके साथ सहयोग और साझेदारी की कोशिश करते हैं।

किसी देश की वास्तविक ताकत का सबसे बड़ा संकेत यह नहीं होता कि उसके बारे में राजनीतिक भाषणों में क्या कहा जा रहा है, वस्तुतः यह होता है कि दुनिया के लोग उसके बारे में क्या सोचते हैं। यदि हम इस कसौटी पर अमेरिका को देखें तो एक सच्चाई साफ नजर आती है। दुनिया भर के करोड़ों लोग आज भी अमेरिका को अवसरों की भूमि मानते हैं। भारत, चीन, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया के कई देशों से लाखों लोग हर साल अमेरिका में पढ़ने, काम करने और बसने का सपना देखते हैं। यदि वैश्विक शक्ति के अन्य आयामों पर नजर डालें तो अमेरिका की बढ़त कई क्षेत्रों में स्पष्ट दिखाई देती है। तकनीकी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियां वहीं से निकली हैं और सिलिकॉन वैली आज भी नवाचार का प्रमुख केंद्र मानी जाती है। शिक्षा के क्षेत्र में भी कई शीर्ष विश्वविद्यालय अमेरिका में स्थित हैं और यही कारण है कि दुनिया भर के छात्र वहां उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए जाते हैं। अर्थव्यवस्था के स्तर पर अमेरिकी डॉलर अभी भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय व्यवस्था में सबसे प्रभावशाली मुद्रा बना हुआ है। इस संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्टें बताती हैं कि अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी गंतव्य बना हुआ है और वहां प्रवासी मूल के लोगों की संख्या करोड़ों में है। यह केवल कानूनी रास्तों तक सीमित नहीं है। अमेरिका मेक्सिको सीमा पर हर साल हजारों लोग अवैध रूप से प्रवेश करने की कोशिश करते हैं। कठिन रेगिस्तानी रास्ते, नदियों का जोखिम और सख्त सीमा सुरक्षा के बावजूद लोग उस दिशा में बढ़ते रहते हैं। कई बार यह प्रयास दुखद घटनाओं में बदल जाता है और कुछ लोग अपनी जान तक गंवा बैठते हैं। इसके बावजूद अमेरिका जाने का सपना खत्म नहीं होता। यह एक कठोर किंतु स्पष्ट सच्चाई है कि यदि कोई देश इतना महत्वहीन या कमजोर होता तब भला क्यों लोग अपनी जिंदगी को खतरे में डालकर वहां पहुंचने की कोशिश करते?

अमेरिका की ताकत उसकी सेना या अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं है। उसकी सबसे बड़ी शक्ति उसकी संस्थाएं हैं। वहां का संविधान, न्यायपालिका और नागरिक अधिकारों की व्यवस्था दुनिया में मजबूत लोकतांत्रिक ढांचे का उदाहरण मानी जाती है। इसी का एक ताजा उदाहरण जन्म के आधार पर मिलने वाली नागरिकता को लेकर चल रही बहस है। अमेरिका में कई धार्मिक संगठनों ने सर्वोच्च न्यायालय से अपील की है कि जन्म के आधार पर मिलने वाली नागरिकता को सीमित नहीं किया जाना चाहिए। इस प्रयास में 'हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन' ने प्रमुख भूमिका निभाई है। इस संगठन ने सत्तावन धार्मिक संगठनों के साथ मिलकर संयुक्त राज्य अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय में एक मित्र याचिका दायर की है। यह याचिका ट्रंप बनाम बारबरा नामक मामले में दी गई है जो इस समय न्यायालय में विचाराधीन है।

यह विवाद उस समय सामने आया जब दो हजार पच्चीस की शुरुआत में 'डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन' ने एक कार्यकारी आदेश के माध्यम से जन्मसिद्ध नागरिकता को सीमित करने का प्रयास किया। अमेरिका के संविधान के चौदहवें संशोधन में स्पष्ट रूप से लिखा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में जन्म लेने वाला हर व्यक्ति नागरिक माना जाएगा। यही प्रावधान अमेरिकी लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों में से एक है और इसी कारण इस विषय पर व्यापक बहस चल रही है।

इन सभी तथ्यों के बीच भारत और अमेरिका के संबंधों को समझना भी जरूरी है। यह संबंध किसी एक सरकार या किसी एक राजनीतिक दल की देन नहीं हैं। पिछले कई दशकों से भारत की विदेश नीति में अमेरिका के साथ सहयोग एक महत्वपूर्ण तत्व रहा है। दो हजार आठ का भारत-अमेरिका असैनिक परमाणु समझौता इसका एक प्रमुख उदाहरण है। इसके बाद साल 2014 में मोदी सरकार आने के बाद से लगातार रक्षा, तकनीक, ऊर्जा और व्यापार के क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ता गया है। हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार का स्तर भी तेजी से बढ़ा है और यह आंकड़ा सैकड़ों अरब डॉलर तक पहुंच चुका है।

यहां भारतीयों के लिए समझने के लिए बहुत कुछ है, वस्तुतः कूटनीति का मूल सिद्धांत ही यही है कि कोई देश अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां बनाते हैं। इसमें भावनात्मक नारेबाजी का कोई औचित्य नहीं है बल्कि व्यावहारिक सोच की आवश्यकता होती है। इसी दृष्टि से देखें तो भारत का अमेरिका के साथ सहयोग वर्तमान की कोई कमजोरी नहीं है, यह तो एक सोचा-समझा निर्णय है। यही कारण है कि कांग्रेस का यह आरोप कि भारत-अमेरिका के सामने झुक गया है, वास्तविकता से बहुत दूर दिखाई देता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हर देश अपने हितों को ध्यान में रखकर फैसले करता है। अभी आपको जो दिख रहा है, इसे आप केंद्र सरकार की व्यावहारिक कूटनीति का हिस्सा कह सकते हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पंच परिवर्तन कार्यक्रम व लगातार जारी सामाजिक बदलाव

प्रहलाद सबनानी
स्तंभकार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। यदि हम इन सौ वर्षों की यात्रा पर दृष्टि डालें तो स्पष्ट दिखाई देता है कि संघ के स्वयंसेवकों ने समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में सक्रिय योगदान दिया है। विचार, संगठन और कार्य के स्तर पर संघ ने निरंतर समाज जीवन को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास किया है। प्रारम्भ में सीमित दायरे में प्रारंभ हुआ संघ का कार्य समय के साथ व्यापक और बहुआयामी होता गया। समाज की बदलती आवश्यकताओं को समझते हुए स्वयंसेवक विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय हुए और समाज परिवर्तन के वाहक बने।

संघ के मूल उद्देश्य के अनुरूप देश में हिंदुत्व के जागरण की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इस जागरण का प्रभाव समाज के विभिन्न वर्गों में दिखाई देने लगा है। जाति, वर्ग, भाषा या क्षेत्र के आधार पर जो भेदभाव लंबे समय से समाज में मौजूद थे, उनमें धीरे-धीरे कमी आ रही है। अनेक राष्ट्रीय और सांस्कृतिक अवसरों पर हिंदू समाज की एकता और संगठन की भावना स्पष्ट रूप से सामने आई है। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन, अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा तथा कुंभ जैसे विशाल आयोजनों ने समाज की एकता और आस्था को नई ऊर्जा दी है। इन अवसरों पर पूरे देश से आए लोगों की सहभागिता ने यह सिद्ध किया है कि भारतीय समाज में संगठन और आत्मविश्वास की शक्ति कितनी प्रबल है।

संघ की 100 वर्षों की यात्रा केवल इतिहास की उपलब्धियों का वर्णन नहीं है बल्कि यह भविष्य के लिए एक प्रेरक संकल्प भी है। आज समाज में जो सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं, वे लंबे समय से किए जा रहे सतत प्रयासों का परिणाम हैं। हिंदुत्व और भारतीय परम्पराओं के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। एक समय ऐसा भी था जब सार्वजनिक जीवन में हिंदू समाज की कमियों को ही अधिक उजागर किया जाता था, जिससे समाज के अनेक लोग अपनी परंपराओं और मूल्यों को सही रूप में समझ नहीं पाए। परंतु अब परिस्थितियाँ बदल रही हैं। लोग अपने धर्म, संस्कृति और परंपराओं पर गर्व अनुभव करने लगे हैं।

आज अनेक परिवारों में अपने बच्चों के नामकरण से लेकर विवाह संस्कार तक भारतीय परंपराओं का पुनः सम्मानपूर्वक पालन किया जा रहा है। घर-परिवार में धार्मिक और सांस्कृतिक परम्पराओं को महत्व दिया जाने लगा है। इस परिवर्तन का उद्देश्य केवल परंपराओं का पालन करना नहीं है, बल्कि एक सच्चरित्र, संस्कारित और जिम्मेदार पीढ़ी का निर्माण करना है। ऐसी पीढ़ी ही समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण कर सकती है और परिवार तथा समाज में सुख-शांति की स्थापना कर सकती है।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में एक विशेष पहल की है, जिसे 'पंच परिवर्तन' कार्यक्रम कहा गया है। इस कार्यक्रम का आह्वान संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत द्वारा किया गया है। इसका उद्देश्य समाज में ऐसे पाँच महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जागरूकता और व्यवहारिक परिवर्तन लाना है, जिनसे राष्ट्र जीवन को नई दिशा मिल सके।

पंच परिवर्तन कार्यक्रम के पाँच प्रमुख आयाम हैं- नागरिक कर्तव्यों के प्रति सजगता, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता, स्वदेशी भावना और स्वावलंबन का विकास, कुटुंब प्रबोधन के माध्यम से पारिवारिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण, सामाजिक समरसता की स्थापना।इन पाँचों आयामों का उद्देश्य केवल विचार प्रस्तुत करना नहीं है बल्कि इन्हें जीवन में व्यवहार के रूप में अपनाना है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होगा, तभी राष्ट्र सशक्त बन सकेगा। नागरिकों को कानून व्यवस्था का पालन करते हुए समाज में सद्भाव और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना होगा। कुटुंब प्रबोधन इस कार्यक्रम का अत्यंत महत्वपूर्ण भाग है। परिवार समाज की सबसे छोटी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। यदि परिवार में संस्कार, संवाद और संवेदनशीलता का वातावरण होगा तो समाज स्वतः स्वस्थ और सुदृढ़ बनेगा। इसके लिए यह आवश्यक है कि परिवार के सदस्य समय निकाल कर एक साथ बैठें, संवाद करें और अपने बच्चों को महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा दें। सप्ताह में कम से कम एक बार परिवार में धार्मिक या सांस्कृतिक आयोजन तथा बच्चों के साथ महापुरुषों के जीवन पर चर्चा जैसी छोटी-छोटी पहलें समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं।

इसके साथ-साथ समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के लिए भी सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। दहेज प्रथा, मृत्यु भोज जैसी परंपराएँ तथा युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति जैसी समस्याएँ समाज के लिए गंभीर चुनौती हैं। इन कुरीतियों के उन्मूलन के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को मिलकर प्रयास करना होगा। जब समाज की एकता, सजगता और निःस्वार्थ सेवा की भावना एक साथ कार्य करती है, तभी राष्ट्र सशक्त और वैभवशाली बनता है। भारत की सनातन संस्कृति 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश देती है, जिसमें सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार माना गया है। यही संस्कृति मानवता को अंधकार से प्रकाश की ओर, असत्य से सत्य की ओर और निराशा से आशा की ओर ले जाने की प्रेरणा देती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मानना है कि भारत की पहचान उसकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जीवन दृष्टि से है, जिसे दुनिया हिंदुत्व के नाम से जानती है। इसी जीवन दृष्टि के आधार पर समाज को एक सूत्र में जोड़कर सशक्त और संस्कारित राष्ट्र का निर्माण करना संघ का मूल उद्देश्य रहा है। वर्ष 1925 में प्रारम्भ हुआ यह कार्य आज भी निरंतर आगे बढ़ रहा है और भविष्य में भी समाज परिवर्तन की दिशा में इसी प्रकार जारी रहेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

लम्बे समय तक एसिडिटी की गोलियां खाना खतरनाक, किडनी हो सकती है ख़राब

गैस और एसिडिटी सबसे कॉमन समस्याएं हैं। लगभग सभी लोग कभी न कभी इन दिक्कतों का सामना करते हैं। ये समस्याएं कई बार अपने आप ठीक हो जाती हैं, जबकि कुछ लोग इससे निजात पाने के लिए गोलियां लेना शुरू कर देते हैं। लोग बिना सोचे-समझे गैस की टैबलेट निगल लेते हैं, लेकिन यह छोटी सी दिखने वाली आदत गंभीर समस्या पैदा कर सकती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि बिना डॉक्टर की सलाह के एंटासिड दवाएं लेने से किडनी के लिए खतरा पैदा हो सकता है। इतना ही नहीं, इन गोलियों से पेट की लाइनिंग पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

हैदराबाद के अपोलो अस्पताल के फेमस : न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुधीर कुमार ने चेतावनी दी है कि एसिडिटी की गोलियां लंबे समय तक लेने से शरीर अंदर से खोखला हो सकता है। खासकर प्रोटॉन पंप इनहिबिटर का लंबे समय तक सेवन बेहद नुकसानदायक है। भारत में ये दवाएं बिना प्रिस्क्रिप्शन के आसानी से उपलब्ध हैं, जिससे इनका दुरुपयोग बढ़ गया है। पीपीआई दुनिया भर में सबसे ज्यादा लिखी जाने वाली और सबसे ज्यादा गलत तरीके से इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं में से हैं। आमतौर पर ये दवाएं अल्सर या गंभीर एसिड रिफ्लक्स (GERD) के मामलों में केवल 4 से 8 सप्ताह के लिए दी जाती हैं। हालांकि लाखों लोग मामूली अपच या गैस से बचने के लिए सालों-साल इनका सेवन कर रहे हैं।

डॉक्टर ने साफ चेतावनी दी है कि करोड़ों लोग एसिडिटी से राहत के बदले अपनी किडनी, हड्डियों और दिमाग की सेहत दांव पर लगा रहे हैं। एसिडिटी की गोलियों का सबसे घातक असर हमारी किडनी पर पड़ता है। पीपीआई के लंबे समय तक या पुराने उपयोग का सीधा संबंध क्रोनिक किडनी डिजीज (CKD) से पाया गया है। दवा के लगातार सेवन से किडनी की फिल्टर करने की क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है, जो भविष्य में किडनी फेलियर का कारण बन सकती है। अक्सर मरीजों को पता भी नहीं चलता कि जिस गैस की गोली को वो मामूली समझ रहे थे, वही उनकी किडनी को डैमेज कर रही है।

पेट का एसिड केवल जलन पैदा करने के लिए नहीं होता, बल्कि यह पाचन की एक अनिवार्य प्रक्रिया है। जब हम एसिडिटी की गोलियां खाकर एसिड को दबाते हैं, तो शरीर जरूरी पोषक तत्वों को सोखना बंद कर देता है। मैग्नीशियम और कैल्शियम के अवशोषण में कमी से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं, जिससे फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा आयरन की कमी से एनीमिया की नौबत आ जाती है।

एसिडिटी की दवाएं केवल पेट तक सीमित नहीं रहतीं, ये हमारे दिमाग को भी प्रभावित करती हैं। शरीर में विटामिन B12 की पुरानी कमी और पेट के बैक्टीरिया का संतुलन बिगड़ने से संज्ञानात्मक गिरावट होने लगती है। चिकित्सा जगत में इस बात पर बहस जारी है कि क्या पीपीआई का लंबे समय तक उपयोग डिमेंशिया यानी भूलने की बीमारी का कारण बन सकता है, लेकिन यह निश्चित है कि पेट के एसिड को बेवजह दबाना दिमाग की रक्षा करने के बजाय उसे नुकसान पहुंचाता है।

निशाना

धधक रही है ये धरा...!

नीतिराज चौरे नीति

बारूद के ढेर से, दहक रही है ये धरा,
धुएं के काले घेरे से, सहम रही है ये धरा,
विनाश की ये आग है, जो फैली चारो ओर है,
इसी प्रचंड आग से, धधक रही है ये धरा,
दहक रही है ये धरा,बहक रही है ये धरा,
कनक की अब चमक नही,
छनक-छनक तनक नही,
भड़म-भड़ाक शोर है,
दबाब का ही जोर है,
कसक-धमक की ओर है,
धमक-धमक का जोर है,
इसी धमक की आग से,
धधक रही है ये धरा,
दहक रही है ये धरा, बहक रही है ये धरा,
नरक-नरक ही दिख रहा,
ठनक-सनक से मिल रही,
धमक-धमक की अग्नि से,
धरा की भूमि हिल रही,
कसक सभी ह्रदय में है,
दुखद धरा का दर्द है
तनक-तनक रहम करो,
ठनक-सनक को त्याग कर,
जगत की रक्षा अब करो,
इसी सनक की अग्नि से,
धधक रही है ये धरा,
दहक रही है ये धरा, बहक रही है ये धरा।

AI साइड इफेक्ट्स

चिंता बढ़ने वाली हार्वर्ड की रिपोर्ट, एआई के अधिक उपयोग से मानसिक तनाव का शिकार हो रहे लोग

एआई का इस्तेमाल करना जहां एक तरफ लोगों के काम को आसान बना रहा है। वहीं, दूसरी तरफ इसका ज्यादा इस्तेमाल लोगों में मानसिक तनाव भी पैदा कर रह रहा है। हाल ही में 1488 कर्मचारियों के साथ किए गए एक सर्वे में यह जानकारी सामने आई है। कोडर्स और सॉफ्टवेयर डेवलपर्स से लेकर अकाउंटेंट्स और मार्केटर्स तक, लगभग हर कोई Claude Cowork या Codex जैसे AI टूल्स का इस्तेमाल कर रहा है। कभी-कभी एक ही व्यक्ति अलग-अलग एआई टूल्स का इस्तेमाल करता है। इससे प्रोडक्टिविटी बढ़ाने में को मदद मिल सकती है, लेकिन लंबे समय तक इसका इस्तेमाल करने से लोगों पर बुरा असर पड़ सकता है। हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू में पब्लिश हुई एक नई स्टडी में इसके ज्यादा इस्तेमाल से होने वाली दिक्कतों के बारे में बताया गया है। रिसर्चर ने अमेरिका में 1,488 कर्मचारियों के साथ एक सर्वे किया। इन कर्मचारियों से काम के दौरान AI के इस्तेमाल और उससे उन पर पड़ने वाले इसके प्रभाव के बारे में पूछा गया। इस स्टडी के मुताबिक, एआई टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल करने वालों मानसिक तनाव की समस्या हो रही है। वे फोकस नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें सिर दर्द की दिक्कत आ रही है। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे स्मार्टफोन का ज्यादा इस्तेमाल करने से सिरदर्द या आंखों की रोशनी कम होती है।

एआई ब्रेन फ्राई की दिक्कत: रिसर्च करने वालों ने देखा कि कई कर्मचारी खुद की क्षमता से ज्यादा एआई टूल्स का इस्तेमाल करते हैं। इससे एआई ब्रेन फ्राई की दिक्कत हो सकती है। एआई ब्रैन फ्राई का मतलब एआई टूल्स के अत्यधिक उपयोग के कारण होने वाली मानसिक थकान से है। रिसर्चर बताने चाह रहे हैं कि जब कोई इंसान लगातार ढ्ढ का इस्तेमाल करता है या उसकी गलतियां को सुधारने की कोशिश करता है तो उसका दिमाग पूरी तरह थक जाता है। स्टडी से पता चला है कि काम के लिए ढ्ढ का इस्तेमाल करने वाले 14 प्रतिशत प्रतिभागियों ने एक अलग तरह की थकान की बात कही। स्टडी में शामिल प्रतिभागियों ने बताया कि उन्हें 'भनभनाहट' या 'मानसिक धुंध' जैसा महसूस होता है। इससे ध्यान लगाने में दिक्कत आती है, जल्दी फैसला नहीं ले पाते हैं और सिरदर्द जैसे समस्याएं भी आती हैं।

एआई करा रहा ज्यादा काम: इससे पहले, एक अलग स्टडी में यह पाया गया था कि AI लोगों से ज्यादा काम करवा रहा था। कुछ लोग तो अपने ब्रेक के समय में भी AI एजेंट को प्रॉम्प्ट देकर ज्यादा काम करवाने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, हर नौकरी या काम करने वालों को मानसिक तनाव की दिक्कत नहीं होती है। मार्केटिंग से जुड़ी नौकरियों में AI से होने वाले मानसिक तनाव की दर सबसे ज्यादा 26 प्रतिशत रही, इसके बाद ह्यूमन रिसोर्स में 19.3 प्रतिशत और ऑपरेशंस में 17.9 प्रतिशत रही।

वायरल वीडियो

लगातार पड़ रहा था शादी का दबाव, महिला ने सिर मुंडवाकर अनोखे अंदाज में दिया जवाब

आज के दौर में सोशल मीडिया ऐसे मंच के रूप मे उभरा है जहां कई बार ऐसी कहानियां सामने आती हैं जो समाज की सोच और परंपराओं पर सवाल खड़े कर देती हैं। हाल ही में इंटरनेट पर एक ऐसा ही वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला ने शादी के लगातार बढ़ते दबाव से तंग आकर अपना सिर मुंडवा लिया। महिला का यह फैसला लोगों के लिए काफी चौंकाने वाला रहा। वहीं इस घटना ने कई लोगों को यह सोचने पर भी मजबूर कर दिया कि आखिर किसी की निजी जिंदगी और उसके फैसलों में समाज और परिवार की दखलअंदाजी कितनी जायज है।

वायरल वीडियो में एक महिला बताती हैं कि उन्हें अपने लंबे और खूबसूरत बाल बहुत पसंद थे। लेकिन पिछले कुछ समय से परिवार और आसपास के लोग उनसे लगातार शादी के बारे में सवाल कर रहे थे। हर मुलाकात और बातचीत का अंत शादी की बात पर ही होता था। इस लगातार दबाव ने उन्हें मानसिक रूप से बहुत परेशान कर दिया था। महिला वीडियो में आगे बताती हैं कि एक समय ऐसा आया जब उन्हें लगा कि अब इस दबाव के खिलाफ कोई मजबूत संदेश देना जरूरी है। इसी वजह से उन्होंने अपना सिर मुंडवाने का फैसला किया। वीडियो में वह अपना मुंडा हुआ सिर दिखाते हुए कहती हैं कि यह फैसला लेना उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था, क्योंकि उन्हें अपने सुंदर लंबे बाल बहुत पसंद थे। लेकिन उन्होंने अपनी जिंदगी के फैसले खुद लेने की आजादी को ज्यादा महत्वपूर्ण समझा।

समाज के दोहरे मापदंड पर सवाल: वीडियो में महिला ने समाज में मौजूद दोहरे मापदंडों पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि अगर कोई पुरुष अपनी पसंद से बाल कटवा ले या अपने जीवन के बारे में कोई बड़ा फैसला ले, तो उसे सामान्य माना जाता है। लेकिन जब कोई महिला ऐसा करती है, तो उसे अजीब नजरों से देखा जाता है और लोग तरह-तरह की बातें करने लगते हैं। उन्होंने वीडियो में यह भी कहा कि आखिर उन्होंने ऐसा क्या कर दिया कि लोग उन्हें अलग नजर से देखने लगे हैं। उनका मानना है कि हर व्यक्ति को अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीने का पूरा अधिकार होना चाहिए।

मिली-जुली प्रतिक्रिया: जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, लोगों ने इस पर जमकर अपनी प्रतिक्रिया दी। हजारों यूजर्स ने कमेंट करके महिला की हिम्मत की सराहना की। एक यूजर ने लिखा- 'अपने लिए खड़े होना आसान नहीं होता, लेकिन आपने बहुत साहस दिखाया।' वहीं दूसरे यूजर ने लिखा- 'बाल दोबारा आ सकते हैं, लेकिन अपनी आजादी और आत्मसम्मान सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं।'

विवादित वीडियो का मामला: आरोप-रायसेन किले से 'ईरान जिंदाबाद' के लगाए नारे, रील भी बनाई

शहर में पुलिस ने चार आरोपियों का जुलूस निकालकर कोर्ट पहुंचाया

रायसेन। दोपहर मेट्रो

जिले में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक विवादित वीडियो के मामले में कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। आरोप है कि युवकों ने ऐतिहासिक रायसेन किले की प्राचीर पर चढ़कर ईरान के समर्थन में नारे लगाते हुए रील बनाई और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। वीडियो सामने आने के बाद मामला तेजी से सुर्खियों में आ गया।

दरअसल, रायसेन किले से तोप चलाते हुए कुछ युवकों का वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हुआ। वीडियो में युवक नारे लगाते हुए ईरान के समर्थन की बात करते सुनाई दे रहे हैं। बताया गया कि यह वीडियो रमजान के दौरान रोजा खोलने की सूचना देने के समय बनाया गया था। घटना के बाद हिंदू संगठन 'अपना रायसेन' ने कोतवाली पुलिस में

शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया कि वीडियो में लगाए गए कुछ नारे आपत्तिजनक हैं, जिससे हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। संगठन ने आशंका जताई कि इससे शहर में सामाजिक सौहार्द्र बिगड़ सकता है और तनाव की स्थिति पैदा हो सकती है। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो ने भी इस पर सवाल उठाते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने चारों आरोपियों (शादाब कुरैशी, यूसुफ शेख, बसीम खान और सलमान खान) को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद अस्पताल से न्यायालय तक उन्हें पैदल जुलूस के रूप में पेश किया गया। इस दौरान आरोपियों के हाथों में हथकड़ी लगी थी और पुलिस बल उनके साथ मौजूद रहा। जुलूस के दौरान चारों आरोपी लंगड़ाते हुए चलते नजर आए, जिसे लेकर वहां मौजूद लोगों के बीच चर्चा होती रही। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया के माध्यम से किसी भी प्रकार की भड़काऊ या देश की भावनाओं को आहत करने वाली गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। कोतवाली पुलिस के अनुसार मामले की जांच जारी है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि वीडियो बनाने और उसे वायरल करने में और कौन-कौन लोग शामिल थे। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया का उपयोग जिम्मेदारी के साथ करें और किसी भी प्रकार की भ्रामक या विवादित सामग्री साझा करने से बचें।

हिन्दू संगठन नाराज

रमजान माह के दौरान रायसेन किले से तोप चलाते समय ईरान के समर्थन में नारे लगाने और उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जिले में विवाद गहराता जा रहा है। इस मामले को लेकर हिंदू संगठनों ने कड़ा विरोध जताते हुए आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। इसी कड़ी में आज (मंगलवार) को विभिन्न हिंदू संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता एकजुट होकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में संगठनों ने कहा कि रायसेन किले से रमजान माह में रोजा खोलने और अफ्तारी का संकेत देने के लिए परंपरागत रूप से तोप चलाई जाती है। यह व्यवस्था जिला प्रशासन की अनुमति से वर्षों से चली आ रही है।

किले से तोप चलाने की परंपरा पर रोक लगाने की भी मांग

संगठनों का आरोप है कि हाल ही में कुछ युवकों ने तोप चलाते समय कथित रूप से धर्म विरोधी नारे लगाए और उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिससे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। हिंदू संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि इस घटना को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश न कर सके। साथ ही संगठनों ने यह भी मांग उठाई कि रायसेन किले से तोप चलाने की परंपरा पर फिलहाल रोक लगाई जाए या फिर इसकी व्यवस्था पूरी तरह प्रशासनिक निगरानी में कराई जाए।

न्यूज विंडो

राज्यसभा में सांसद ने एनीमिया उन्मूलन के लिए उठाई मांग

नमंदापुरम। नमंदापुरम संभाग में किशोरियों के बीच एनीमिया और कुपोषण की भयावह स्थिति पर राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने शून्यकाल में सदन का ध्यानाकर्षण कराया। एनएफएचएस - 5 के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि क्षेत्र की 55-60 प्रतिशत किशोरियां एनीमिया से जूझ रही हैं। सांसद श्रीमती नारोलिया ने कहा, स्वस्थ किशोरी, सशक्त भविष्य। हमारी बेटियों का स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता होना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार की एनीमिया मुक्त भारत और पोषण अभियान योजनाओं की तारीफ की, लेकिन जमीनी क्रियान्वयन में कमियों पर चिंता जताई। साप्ताहिक आयरन फोलिक एसिड सप्लीमेंट और टेक-होम राशन की आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं को दूर करने, पोषण ट्रैकर जैसे डिजिटल उपकरणों का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने प्रमुख सुझाव दिए। जिला स्तर पर निगरानी तंत्र को मजबूत करना, स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभागों में समन्वय बढ़ाना, आपूर्ति व्यवस्था को निर्बाध बनाना है। सदन ने मुद्दे की गंभीरता को स्वीकार किया। सांसद ने जोर देकर कहा कि स्वस्थ किशोरियां ही सशक्त समाज और सुरक्षित मातृत्व की नींव रखेंगी।

जिम्मेदारों की लापरवाही से शहर की जनता हो रही परेशान

अव्यवस्था होने से मुख्य बाजार में बार-बार बन रहे जाम के हालात, चालक परेशान

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

मुख्य बाजार में प्रशासन द्वारा की गई बेरीकेट्स व्यवस्था एक बार फिर फेल होती दिखाई दे रही है। मुख्य बाजार की सड़क पर दोपहर में चार पहिया वाहनों का प्रवेश बंद करने के लिए प्रशासन द्वारा बेरीकेट्स लगाए गए थे। बेरीकेट्स के रूप में प्रशासन द्वारा तीन स्थानों पर लोहे के एंगिल या पाइप लगाए गए थे। ये तीन स्थान थे पुराना कोर्ट गेट चौराहा, ढाल बाजार और कठाली बाजार में बढ़ चौराहा। इन तीनों ही स्थानों पर सुबह 10 से रात 8 बजे तक बेरीकेट्स लगे रहते थे। इस बीच चार पहिया वाहनों का प्रवेश मुख्य बाजार में प्रतिबंधित था। सिर्फ दोपहिया वाहन, इलेक्ट्रिक ऑटो तथा ठेला चालकों का प्रवेश बाजार की सड़क पर हो सकता था।

व्यवस्था बनाने के लिए प्रशासन ने नपा ने कर्मचारियों को भी तैनात किया। जो प्रतिदिन बेरीकेटिंग के लिए लगाए गए पाइप अथवा एंगिल का सुबह के समय ताला लगाता था और शाम के समय उसे खोल देता है। रात 8 बजे के बाद मुख्य बाजार की सड़क पर चार पहिया वाहनों का प्रवेश हो सकता था। प्रशासन की ये व्यवस्था अब एक बार फिर फेल हो गई है। कुछ महीनों पहले बढ़ चौराहा पर लगे बेरीकेट्स का ताला सुबह के समय खुला तो फिर लगा ही नहीं। इसके बाद नपा की हिम्मत नहीं हो रही है दोबारा इन बेरीकेट्स को यहां पर लगाया जाए। इस कारण यहां से सभी प्रकार के वाहनों का आना-जाना होता रहा ओर अब पुराना कोर्ट गेट एरिया में लगे एंगिल भी जब तब हटा दिए जाते हैं। जिसके चलते अब लग रहा है कि प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्था फेल हो गई है। बाजार में अब नवरात्र की खरीदारी का जोर बनेगा। इसके साथ ही शादियों की ग्राहकी भी रहेगी। ये ग्राहकी सुबह से शुरू होकर शाम तक बनी रहेगी। एसे में बेरिकेटिंग व्यवस्था खत्म करने से बाजार की आवागमन व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना बन गई है।

पहले भी लोडिंग वाहनों का आना-जाना आम था

प्रशासन की इस व्यवस्था को इसके पहले भी लोडिंग वाहन चालक ठेंगा बता चुके हैं। पुराना कोर्ट गेट चौराहे पर लगे बेरीकेट्स को लोडिंग ऑटो चालक जब-तब टेड़ा करके अपने वाहन को मुख्य बाजार में ले जाते थे। इसी बीच हालात ये भी बने थे कि एक ट्रेक्टर चालक बेरीकेट्स के पाइप को तोड़कर निकल गया था। जब इसकी शिकायत की गई तो ट्राफिक पुलिस ने उसे पकड़ लिया लेकिन उसे भी सिर्फ 500 रूपए का जुर्माना कर छोड़ दिया गया था। ऐसे ये व्यवस्था शुरू होने के बाद से ही मजाक का विषय बन गई थी।

मुख्य बाजार में जाम लगना बड़ी समस्या

बाजार में लगने वाले जाम के कारण आवागमन प्रभावित होता है। इससे आम जनता को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के निदान के लिए प्रशासन ने शहर के व्यापारियों से चर्चा की थी। इसके बाद उन्होंने ही बेरीकेटिंग की व्यवस्था बनाई थी। नपा द्वारा इस व्यवस्था का संचालन किया जा रहा है। बावजूद इसके नपा द्वारा चयनित स्थान पर ये व्यवस्था कब तक कायम रहेगी यह कहा नहीं जा सकता।

5 हजार रुपए दो, काम होगा

शिकायत के बाद लोकायुक्त ने सचिव को रंगे हाथ पकड़ा; घर में चल रही थी घूसखोरी

रतलाम। दोपहर मेट्रो

पुलिस ने रतलाम जिले की कनेरी ग्राम पंचायत के सचिव सत्यनारायण सेन को एक व्यक्ति से कॉलोनी में भवन निर्माण की अनुमति और नामांतरण कराने के एवज में रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी सचिव ने फरियादी को अपने घर बुलाकर सोमवार रात करीब आठ बजे 4500 रुपये की रिश्वत ली थी। कार्रवाई के बाद लोकायुक्त टीम ने आवश्यक कागजी कार्रवाई की, जबकि मामले में पटवारी को नोटिस देकर छोड़ दिया गया।

लोकायुक्त डीएसपी दिनेशचंद्र पटेल ने बताया कि फरियादी प्रेम जैसवार निवासी रतलाम ने 18 फरवरी 2026 को उज्जैन लोकायुक्त एसपी को लिखित शिकायत दी थी। शिकायत में बताया गया था कि उन्होंने ग्राम पंचायत कनेरी क्षेत्र की मां विंध्यवासिनी ड्रीम सिटी कॉलोनी में दो भूखंड खरीदे हैं। भूखंड क्रमांक 41-बी पर भवन निर्माण की अनुमति और भूखंड क्रमांक 96 का नामांतरण कराने के लिए ग्राम पंचायत में आवेदन दिया गया था। आरोप है कि ग्राम पंचायत सचिव सत्यनारायण सेन ने इन दोनों कामों के बदले 5 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत की पुष्टि होने के बाद लोकायुक्त ने आरोपी को रंगे हाथ पकड़ने की योजना बनाई।

योजना के तहत 9 मार्च को उज्जैन लोकायुक्त की टीम डीएसपी दिनेशचंद्र पटेल के नेतृत्व में आरोपी के तेजा नगर स्थित घर के पास पहुंची और घेराबंदी की। रात करीब आठ बजे फरियादी प्रेम जैसवार ने सचिव के घर जाकर उसे 4500 रुपये की रिश्वत दी और बाहर आकर टीम को इशारा किया। इशारा मिलते ही लोकायुक्त टीम ने घर में दबिश देकर आरोपी सचिव को पकड़ लिया। उसने रिश्वत की रकम अपनी टेबल पर रख दी थी, जिसे टीम ने मौके से जब्त कर लिया। इस कार्रवाई में निरीक्षक हीना डावर, प्रधान आरक्षक हितेष ललावत, आरक्षक श्याम शर्मा, संजीव कुमारिया और इसरार शामिल रहे। डीएसपी दिनेशचंद्र पटेल ने बताया कि आरोपी सचिव के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

खुलासा: पत्नी ने ही रची पति की हत्या की साजिश! प्रेमी से सोते हुए पति को मरवाया, दोनों को दबोचा

मुरैना। दोपहर मेट्रो

मुरैना के सिंहोनिया में युवक लवकुश माहौर की हत्या का पुलिस ने खुलासा किया। पत्नी ने प्रेमी विक्रम परमार के साथ मिलकर साजिश रची थी। प्रेमी ने घर में घुसकर सोते समय गोली मार दी। मोबाइल चैट और सबूतों के आधार पर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मुरैना जिले के सिंहोनिया कस्बे में हुई युवक की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। दरम्यानी रात पत्नी के साथ कमरे में सो रहे युवक को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया था। अब जांच में सामने आया है कि इस पूरी वारदात की साजिश खुद पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर रची थी।

पुलिस के मुताबिक सिंहोनिया निवासी लवकुश माहौर गुजरात के सूरत में मजदूरी करता था और कुछ दिन पहले ही घर आया था। रात करीब 3 बजे पड़ोसी विक्रम परमार घर में घुसा और सो रहे लवकुश को गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी विक्रम मौके से फरार हो गया,

जबकि मृतक की पत्नी राखी ने पूरे मामले को आत्महत्या बताकर पुलिस और परिजनों को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की सख्त पूछताछ और जांच में सारा राज खुल गया।

सामने आया कि पत्नी राखी और पड़ोसी विक्रम के बीच प्रेम संबंध थे और दोनों ने मिलकर लवकुश को रास्ते से हटाने की साजिश रची थी। सिंहोनिया थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पत्नी राखी और उसके प्रेमी विक्रम परमार को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। प्रेम संबंध बना हत्या की वजह, पूरे इलाके में घटना को लेकर सनसनी फैल गई है। जांच के दौरान पुलिस को आरोपी विक्रम परमार अपने घर में सोता हुआ मिला। इस वजह से शुरुआत में उस पर ज्यादा शक नहीं किया गया, लेकिन मृतक की बहन लगातार विक्रम का नाम ले रही थी। इसके बाद पुलिस ने जब विक्रम का मोबाइल चेक किया तो उसमें मृतक की पत्नी खुशी माहौर के साथ उसकी वॉट्सऐप चैट मिली।इस चैट में खुशी उसे रात में अपने कमरे में बुलाती थी। इसके अलावा दोनों की कुछ सेल्फी भी मिलीं, जिनसे उनके बीच नजदीकी संबंध होने के संकेत मिले। यह चैट एक महीने पुरानी बताई जा रही है। इसी चैट और दोनों की सेल्फी के आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई और विक्रम को राउंडअप किया।

कांग्रेसजनों से सिरोंज आए महासचिव गुड्डू राजा ने मुलाकात की

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश कांग्रेस के महासचिव एवं लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रहे पूर्व चंद्रभूषण बुंदेला गुड्डू राजा सोमवार को सिरोंज आए। इस दौरान वे नयापुरा स्थित कांग्रेस नेता रजत गौड़ के निवास पर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात की। वे कांग्रेस नेता अशोक यादव और नीरज नामदेव के यहां भी पहुंचे और कांग्रेसजनों से चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर पूर्व युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष वैभव भारद्वाज राजकुमार गौड़ ,महेन्द्र सिंह गौड़ , जयकुमार साहू, चंद्रशेखर तिवारी, सलीम खान, हकीम मुल्लाजी, सुरेन्द्र रघुवंशी, राकेश शर्मा,गगनेन्द्र रघु,असीम खान और खालिद गौरी आदि उपस्थित थे ।

मेट्रो एंकर

ब्लड बैंक स्थापना की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

रक्त सेवा समिति ने नए अस्पताल में ब्लड बैंक और पुराने अस्पताल में स्टोरेज यूनिट शुरू करने की उठाई मांग

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नगर में बढ़ती जनसंख्या और मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रक्त सेवा समिति ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन एसडीएम सौंपकर शासकीय चिकित्सालय में ब्लड बैंक की स्थापना की मांग की है। समिति का कहना है कि पिछले 25 वर्षों से संस्था द्वारा रक्तदान के लिए प्रेरणा और जनजागरण का कार्य लगातार किया जा रहा है, जिसके परिणाम स्वरूप गंजबासौदा के हजारों रक्तदाता आवश्यकता पड़ने पर विदिशा, भोपाल, इंदौर सहित अन्य शहरों में जाकर रक्तदान करते हैं। समिति ने ज्ञापन में बताया कि गंजबासौदा की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है और यहां नवीन शासकीय अस्पताल भवन भी तैयार हो चुका है, लेकिन अभी तक यहां ब्लड बैंक की व्यवस्था नहीं है, जिससे मरीजों और परिजनों को काफी परेशानी

का सामना करना पड़ता है।

ज्ञापन में दो प्रमुख मांगें रखी गई हैं। नवीन शासकीय अस्पताल भवन में ब्लड बैंक की स्थापना की जाए। और पुराने शासकीय चिकित्सालय में ब्लड स्टोरेज यूनिट को पुनः सुचारू रूप से संचालित किया जाए, ताकि आपात स्थिति में मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके। रक्त सेवा समिति ने ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इन दोनों मांगों पर शीघ्र निर्णय लेकर क्षेत्र की जनता को राहत प्रदान की जाए। इस अवसर पर रक्त सेवा समिति के संस्थापक राजेश तिवारी, अध्यक्ष राकेश जैन , सचिव अनिल दुबे, महिला शाखा अध्यक्ष ममता जैन, कोषाध्यक्ष मुकेश तिवारी तथा युवा शाखा अध्यक्ष शुभेंद्र राजपूत सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

आबकारी नीति का फायदा: दूसरे चरण की शुरुआत, आज खोले जाएंगे टेंडर

9 ग्रुप पर ही गत वर्ष की तुलना में 122 करोड़ रुपए अधिक की बोली लगी

धार। दोपहर मेट्रो

आबकारी विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए शराब दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया चल रही हैं, एकल समूह के बजाय जिले की दुकानों को ग्रुपों में विभाजित करने पर गत वर्ष की तुलना में 9 समूह पर ही निर्धारित मूल्य से 49 प्रतिशत राशि बढ़ने पर 122 करोड़ रुपए अधिक की बोली प्राप्त हो चुकी हैं, हालांकि अभी 12 समूह के लिए ई-टैंडर होना शेष है। इसी से तय माना जा रहा हैं, सभी शराब दुकानों के आवंटन के बाद आदिवासी बाहुल्य जिले से ही आरक्षित मूल्य से कई गुना अधिक का राजस्व विभाग को मिलेगा। पहले चरण के तीनों बैचेस पर टेंडर होने के बाद अब दूसरे चरण की शुरुआत हो चुकी हैं, आज दोपहर पश्चात तय समय पर टैंडर ओपन किए जाएंगे। धामनोद, मनावर, राजगढ़,

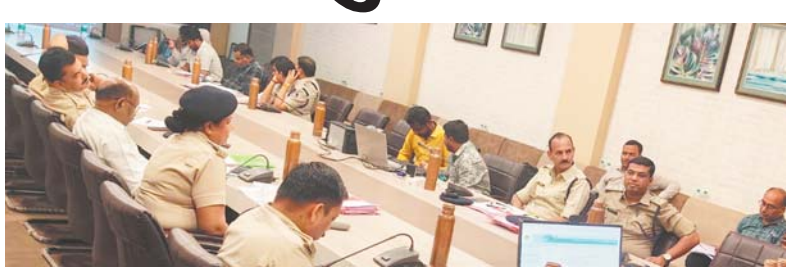

गंधवानी, बदनावर, धार क्रमांक-दो, सादलपुर, बगडी फाटा, बरमंडल, भैंसोला जैसे क्षेत्रों की शराब दुकानों पर इच्छुआक लाइसेंसी टेंडर प्रक्रिया में शामिल होंगे। दरअसल नई आबकारी नीति के तहत बडे लाइसेंसियों के एकाधिकार को समाप्त करते हुए शराब दुकानों को छोटे समूहों में विभाजित किया गया है। इसके पीछे विभाग की मंशा नीलामी प्रक्रिया में लाइसेंसियों की प्रतिस्पर्धा अधिक करते हुए राजस्व में बढ़ोतरी करना था। करीब दो साल बाद पुन देशी-विदेशी दुकानों को शामिल करते हुए समूह बनाए गए है। जिले में कुल 21 ग्रुप बनाए गए है। इन ग्रुपों में पहले चरण के तीन बैचेस में बोली लगाई गई। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीथमपुर शिवबाबा प्राालि 51 प्रतिशत अधिक में 69 करोड़ रुपए, सरदारपुर ग्रुप विकास सिंह ठाकुर 65 प्रतिशत अधिक में 31 करोड़ रुपए, निसरपुर ग्रुप कपिल भावसार लाईसेंसी को 150 प्रतिशत अधिक में 13 करोड़ रुपए, कुक्षी ग्रुप एसआर डिलाईट सूरज रजक लाइसेंसी को 20 प्रतिशत अधिक में 44 करोड़ रुपए, जेतपुरा ग्रुप गुरुकृपा बायोफयूल को 79 प्रतिशत अधिक में 45 करोड रुपए, बगदुन ग्रुप शिवबाबा फूड्स को 34 प्रतिशत अधिक में 76 करोड रुपए, बाग ग्रुप सिया इंटरप्राइजेज को 106 प्रतिशत अधिक में 24 करोड़ रुपए, धार क्रमांक-एक ग्रुप सिया इंटरप्राईजेस को 30 प्रतिशत अधिक में 24 करोड़ रुपए व उमरबन ग्रुप जय मां शारदा को 20 प्रतिशत अधिक में 22 करोड़ रुपए निर्धारित मूल्य से अधिक की बोली प्राप्त होने पर दुकानें आवंटित की गई है।

आरक्षित मूल्य से ही 25 प्रतिशत अधिक

जिले की 88 कंपोजिट शराब दुकानों को 21 ग्रुपों में बांटा गया था, जिसमें से 39 शराब दुकानों के लिए निर्धारित मूल्य 296 करोड 44 लाख रुपए तय किया था। इसके विरुध लाइसेंसियों ने आरक्षित मूल्य से 25 प्रतिशत राशि बढते हुए 369 करोड़ 34 लाख रुपए उच्चथतम बोली लगाई है। हालांकि वर्ष 2025-26 के वार्षिक मूल्य 247 करोड़ की तुलना में यह राशि 49-51 प्रतिशत बढ़ चुकी है। शराब दुकानों के माध्यम से राजस्व जुटाने में धार जिला प्रदेश के टॉप-10 जिलों में शामिल हैं। नई आबकारी नीति बनाने का फायदा दूसरे चरण में ही देखने को मिलेगा। सहायक आबकारी आयुक्त राज नारायण सोनी ने बताया कि छोटे ग्रुपों में शराब दुकानों को विभाजित करने से नई आबकारी नीति का फायदा मिल रहा है। पहले चरण के तीन बैचेस में ही 9 ग्रुप आवंटित हो चुके है। निर्धारित मूल्य से अधिक की बोली टेंडर में प्राप्त हो रही है। दूसरे चरण में अब शेष 12 ग्रुपों के लिए 10 मार्च को तय समय के बाद टेंडर ओपन करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

न्यूज विंडो

दो भाइयों का परिवार जमीन विवाद को लेकर भिड़ा, कई घायल

जबलपुर। सिहोरा थाना क्षेत्र के लमकना गांव में जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों के परिवार आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच हुई मारपीट में 2 महिलाओं समेत 5 से अधिक लोग घायल हो गए। घटना का वीडियो सोमवार को सामने आया है, जिसमें दोनों पक्ष एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला करते दिखाई दे रहे हैं। मारपीट में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। घटना के दौरान किसी ने मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस के अनुसार, दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

आदेश दरकिनार: रपटा नाला में अवैध निर्माण पर कार्रवाई से कतरा रहे अफसर

कटनी। खिरहनी स्थित रपटा नाला में बिल्डर प्रवीण बजाज पप्पू द्वारा किए गए अवैध निर्माण कर बाउंड्रीवाल बनाने के मामले में प्रशासन अबतक कार्रवाई नहीं कर सका है। कलेक्टर न्यायालय के आदेश के दो माह बाद भी एसडीएम, तहसीलदार सहित आला अधिकारी अबतक न तो अवैध निर्माण तोड़ा गया है और न ही शासकीय पानी मद की भूमि निजी भूस्वामी के नाम पर दर्ज होने की जांच पूरी हो सकी है। हैरानी की बात तो यह है कि प्रदेश के मुखिया खुद जल गंगा संवर्धन अभियान को लेकर हाल ही में हुई बैठक में जल संरचनाओं पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के निर्देश दे चुके हैं, इसके बावजूद जिले में अधिकारी कार्रवाई करने से कतरा रहे हैं। जानकारी के अनुसार बिल्डर द्वारा खिरहनी में रपटा के समीप नाले पर अवैध निर्माण करते हुए बाउंड्रीवाल बना ली गई है। इस बाउंड्रीवाल की आड़ में रपटा नाला का गला घोंट दिया गया है। प्रकरण की जांच करते हुए तत्कालीन एसडीएम प्रदीप मिश्रा ने अवैध निर्माण को हटाने 16 अगस्त 2024 को आदेश जारी किया गया। आदेश जारी होने के बाद प्रशासन ने अवैध निर्माण तोड़ने की कार्रवाई शुरू की लेकिन नाला में पानी अधिक होने के कारण कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी।

सिरसोदिया गांव में निजी भूमि पर हुए अतिक्रमण को लेकर हुआ था पथराव

अवैध कब्जे पर प्रशासन ने पोकलेन और जेसीबी चलाकर मकान को किया ध्वस्त

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की धरमपुरी तहसील के सिरसोदिया गांव में निजी भूमि पर हुए अतिक्रमण को प्रशासन की टीम ने सख्ती से हटवा दिया हैं, 400 पुलिस जवानों सहित अधिकारियों की मौजूदगी में प्रशासन की पोकलेन ने निर्माण को धवस्त किया। दो दिन पहले भी अतिक्रमण हटाने राजस्व विभाग पहुंचा था, किंतु अचानक ग्रामीणों ने पथराव किया था। जिसमें थाना प्रभारी सहित कुछ लोगों को पत्थर लगे थे। नोटिस का समय समाप्त होने के बाद सोमवार सुबह से ही प्रशासनिक अमला जुटना शुरु हो गया था, अतिक्रमण वाले हिस्सेस में दो मकान बने थे। जिसमें घरेलू सामग्री रखी हुई थी, कर्मचारियों ने सबसे पहले परिवार की मदद करते हुए चार ट्रैक्टरों के माध्यम से मकान का सामान भरकर सुरक्षित स्थान पर रखवाया था। दो घंटे चली कार्यवाही के बाद अतिक्रमण को तोड़ दिया गया। कार्यवाही के दौरान एएसपी विजय डावर, एसडीएम प्रमोद गुर्जर सहित 8 एसडीओपी, 18 थाना प्रभारी सहित 400 का पुलिसबल मौजूद रहा। दरअसल धामनोद थाना अंतर्गत सिरसोदिया में जमीन को लेकर विवाद पिछले कुछ समय से चल रहा है। पटवारी हल्का नंबर 14 के सर्वे नंबर 77, 78, 79 और 80 की जमीन राजस्व रिकॉर्ड में भाजपा विधायक कालुसिंह ठाकुर के परिवार की पल्लवी पति दीपक ठाकुर के नाम दर्ज है। वहीं सर्वे नंबर 99 की जमीन अनिल पिता कांजी, धर्मेंद्र पिता कांजी, अनीता पिता कांजी और ललिता पिता कांजी के नाम पर दर्ज है। आरोप है कि सिरसोदिया गांव के संतोष पिता नेवा और निमा बाई पति मोहन भील ने इस जमीन पर अतिक्रमण कर मकान बना लिया था। 7 मार्च को प्रशासन की टीम कार्यवाही के लिए पहुंची थी, तब पथराव के साथ ही एक महिला ने आत्महत्या का प्रयास भी किया था।

सहमति से हटाया सामान

सुबह करीब 11 बजे से तीन जेसीबी मशीनों की सहायता से मकान तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई। चार से अधिक ट्रैक्टरों के माध्यम से मकान का सामान भरकर सुरक्षित स्थान पर रखवाया जा रहा है। मनावर एसडीएम प्रमोद सिंह गुर्जर ने बताया कि कार्रवाई के दौरान पूरी तरह शांति व्यवस्था बनी रही और संबंधित व्यक्ति की सहमति से सामान हटवाया गया। वहीं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर ने बताया कि अतिक्रमणकर्ता ने लिखित में दिया कि वह स्वयं अपना सामान हटाना चाहते हैं। वही दो दिन पहले हुई पत्थरबाजी की घटना में दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं और अब तक 5 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। दूसरी ओर अतिक्रमणकर्ता संतोष का कहना है कि, उन्हें पर्याप्त समय नहीं मिला और शासन द्वारा कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है।

तेन्दूखेड़ा गौशाला ट्रस्ट मामले में प्रशासन का फैसला, चुनाव का रास्ता साफ

नए सदस्यों की सदस्यता वैध, आपत्ति निरस्त

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

आचार्य श्री विद्यासागर दयोदय पशु सेवा केन्द्र गौशाला तेन्दूखेड़ा से संबंधित सदस्यता विवाद एवं निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर प्रस्तुत आपत्ति पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा सुनवाई उपरांत निर्णय पारित किया गया है। प्रस्तुत प्रकरण में आवेदक भागचंद जैन, श्री दिगम्बर जैन पंचायत महासभा ट्रस्ट तेन्दूखेड़ा द्वारा कलेक्टर, दमोह के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर यह आपत्ति दर्ज कराई गई थी कि गौशाला ट्रस्ट के मूल संविधान के विपरीत केवल 7 सदस्यों की जानकारी एवं अनुमोदन से 51 नए सदस्यों को जोड़े जाने की प्रक्रिया अपनाई गई है, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है। साथ ही यह भी उल्लेख किया गया कि प्रस्तावित नए सदस्यों में अधिकांश एक ही परिवार से संबंधित हैं, जो सार्वजनिक ट्रस्ट की भावना के अनुरूप नहीं है।

उक्त आवेदन के आधार पर प्रकरण विधिवत पंजीबद्ध किया गया तथा आपत्ति के निराकरण तक निर्वाचन प्रक्रिया पर अस्थायी स्थगन आदेश जारी करते हुए दोनों पक्षों को सुनवाई हेतु उपस्थित होने के निर्देश दिए गए। सुनवाई के दौरान अनावेदक पक्ष

आचार्य विद्यासागर दयोदय पशु सेवा केन्द्र के चुनाव पर लगा स्थगन समाप्त

द्वारा आपत्तियों का लिखित उत्तर प्रस्तुत किया गया, जिसकी प्रति आवेदक पक्ष को उपलब्ध कराई गई। साथ ही संस्था से संबंधित दस्तावेज, नियमावली तथा विभिन्न बैठकों के प्रस्तावों की प्रतिलिपियां भी आवेदक पक्ष को प्रदान की गईं। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों, संस्था के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों तथा स्थानीय नागरिकों के विचार भी विस्तार से सुने गए। प्रकरण के अवलोकन के दौरान आचार्य श्री विद्यासागर दयोदय पशु सेवा केन्द्र तेन्दूखेड़ा (पब्लिक ट्रस्ट) के न्यास पत्र, मूल संविधान तथा समय-समय पर किए गए संशोधनों का परीक्षण किया गया। साथ ही संस्था द्वारा 20.08.2024 को प्रस्तुत नवीन सदस्यों की सूचना, 11.08.2024 की बैठक कार्यवाही तथा अन्य संबंधित अभिलेखों का भी परीक्षण किया गया। परीक्षण से यह तथ्य सामने आया कि नए सदस्यों को संस्था के प्रचलित नियमों एवं समय-समय पर किए गए संशोधनों के अनुरूप ही जोड़ा गया है। यह भी पाया गया कि आपत्तिकर्ता पक्ष में सम्मिलित कुछ सदस्य पूर्व में उसी प्रस्ताव के पक्षधर थे तथा प्रस्ताव में उनके हस्ताक्षर भी दर्ज पाए गए। उक्त प्रस्ताव संस्था के नियमों के अनुसार पारित कर सक्षम प्राधिकारी के समक्ष सूचनार्थ प्रस्तुत किया गया था, जिसे नियमानुसार स्वीकार करते हुए ट्रस्ट पंजी में अंकित करने की कार्यवाही की गई। सदस्यता की वैधता के संबंध में नियमों के परीक्षण से यह भी स्पष्ट हुआ कि संस्था के मूल अथवा संशोधित संविधान में किसी व्यक्ति की सदस्यता पर पारिवारिक आधार से प्रतिबंध का कोई प्रावधान नहीं है। निर्धारित योग्यता, सदस्यता शुल्क एवं नियमों के पालन की शर्त के साथ कोई भी व्यक्ति संस्था का सदस्य बन सकता है। उपरोक्त समस्त तथ्यों एवं नियमों के परीक्षण के आधार पर आवेदक पक्ष द्वारा प्रस्तुत आपत्तियों को अस्वीकार करते हुए प्रकरण में दिनांक 11 फरवरी 2026 को जारी निर्वाचन प्रक्रिया स्थगित रखने का अस्थायी स्थगन आदेश समाप्त कर दिया गया है। इसके साथ ही आचार्य श्री विद्यासागर दयोदय पशु सेवा केन्द्र तेन्दूखेड़ा की निर्वाचन प्रक्रिया पुनः जारी रखने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

दिनदहाड़े युवक को रोककर बेरहमी से पीटा, बाइक सवार बदमाश चेन लूटकर फरार

सीहोर। दोपहर मेट्रो

जिले के इछावर क्षेत्र में अपराधियों के हौसले किस कदर बुलंद हैं, इसका ताजा मामला ढाबला-सेमली सड़क पर सामने आया है। यहां दिनदहाड़े दो बाइक सवार बदमाशों ने एक युवक को रास्ते में रोककर पहले उसकी बेरहमी से पिटाई की और फिर गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। वारदात इतनी अचानक हुई कि युवक को संभलने तक का मौका नहीं मिला। जानकारी के अनुसार पीड़ित युवक आयुष एक कृषि दवाई कंपनी में काम करता है। वह काम के सिलसिले में सीहोर से इछावर होते हुए सेमली गांव जा रहा था। दोपहर के समय जब वह ढाबला-सेमली सड़क से गुजर रहा था, तभी पीछे से आए दो अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने उसे रोक लिया। शुरुआत में बदमाशों ने युवक से बातचीत का बहाना किया, लेकिन कुछ ही क्षणों में उनका असली इरादा सामने आ गया।बताया जा रहा है कि बदमाशों ने अचानक युवक पर हमला कर दिया। दोनों आरोपियों ने मिलकर आयुष के साथ मारपीट की और उसे डराने-धमकाने लगे। युवक के विरोध करने पर बदमाश और ज्यादा उग्र हो गए।एक बदमाश ने उसके गले में पहनी सोने की चेन झपट ली।

मेट्रो एंकर

बम्होरी सहित आसपास के गांवों को मिलेगा लाभ

बम्होरी पांजी में 65 लाख से निर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर से लगभग 2 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत बम्होरी पांजी में लगभग 65 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन उप स्वास्थ्य केन्द्र का लोकार्पण रिबन काटकर प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेंद्र सिंह लोधी द्वारा किया गया। लोकार्पण के पूर्व सरस्वती जी का पूजन अर्चन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि ग्राम बम्हौरी सहित आसपास के अनेक गांवों के नागरिकों के लिए यह उप स्वास्थ्य केन्द्र स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा।

उन्होंने बताया कि मंगलवार से ही इस स्वास्थ्य केन्द्र में सीएचओ और एएनएम 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे क्योंकि इस स्वास्थ्य केंद्र में दोनों के निवास भी बने हुए हैं, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को सामान्य उपचार, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाएं तथा आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श अपने ही क्षेत्र में मिल सकेगा। इससे ग्रामीणों को छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याओं

के लिए दूरस्थ अस्पतालों तक जाने की परेशानी से राहत मिलेगी। मंत्री लोधी ने कहा कि ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। यह स्वास्थ्य केन्द्र क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और आने वाले समय में जनस्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने इस अवसर पर केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी और बताया कि सरकार समाज के हर वर्ग के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम के दौरान जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर के अठया ने स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा करते हुए बताया कि इस उप स्वास्थ्य केन्द्र के माध्यम से ग्रामीणों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण तथा महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गौरव पटेल, सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह, मंडल अध्यक्ष संत कुमार पाल, डॉक्टर परम सिंह, जिला मंत्री भारत सिंह, विनीता कुलस्ते, नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष मुन्ना मोदी, नगर पंचायत उपाध्यक्ष लक्ष्मी नामदेव, सरपंच राजेश यादव, गजराज सिंह, होरीलाल यादव, चेतन जैन, महेंद्र यादव, युवा मंडल अध्यक्ष शिवम जैन, संजय जैन, पारसमणि, नर्मदा दुबे, सोमनाथ सोनी, मंत्री निज सचिव मानवेंद्र सिंह सचान ,पूर्व सरपंच संतोष यादव, राजू रसिया, डीके सोनी, देवराज सींग, मनीष मोदी, विवेक जैन बेनी सिंह लोधी ,यशवंत सिंह सहित नगर निरीक्षक राघवेंद्र बागरी ,मनरेगा एई हरि कृष्ण राज, नाप तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

छिंदवाड़ा में सोशल मीडिया पर नकेल कसने को लेकर पुलिस की सख्ती

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा में सोशल मीडिया पर बिना पुष्टि के खबरें वायरल करने और न्यूज वेबसाइट का कंटेंट कॉपी करने के मामलों को लेकर पुलिस सख्त हो गई है। इसे लेकर कोतवाली थाना परिसर में सोशल मीडिया पर वीडियो और रील बनाने वाले युवाओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कोतवाली निरीक्षक आशीष कुमार ने स्पष्ट कहा कि किसी भी खबर को बिना पुष्टि के सोशल मीडिया पर वायरल करना अपराध की श्रेणी में आ सकता है। खासकर धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाली या अफवाह फैलाने वाली पोस्टों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बेटे की कामयाबी पर संजू सैमसन के पिता विश्वनाथ ने दिया दिल छूने वाला बयान

'जो ट्रोल करते थे, अब वो तारीफ कर रहे...'

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की टी20 वर्ल्ड कप जीत में अहम भूमिका निभाने वाले विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन के पिता सैमसन विश्वनाथ ने बेटे की सफलता पर गर्व जताया है। उन्होंने कहा कि हालिया प्रदर्शन ने उन महीनों की निराशा भुला दी है जब संजू को टीम में पर्याप्त मौके नहीं मिल रहे थे। विश्वनाथ के मुताबिक संजू ने इस टूर्नामेंट में वही शांत और स्वाभाविक बल्लेबाजी शैली दिखाई, जिसके लिए वह बचपन से जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट में खेली गई संजू की तीन अहम पारियां क्लास क्रिकेट का बेहतरीन उदाहरण थीं। उनके अनुसार संजू ने बिना किसी दबाव के खुलकर बल्लेबाजी की और गेंद को बेहतरीन तरीके से टाइम किया।

उन्होंने बताया कि वह हमेशा संजू से कहते थे कि वही पुरानी स्वाभाविक शैली अपनाओ, जिसने उसे शुरुआती दिनों में सफल बनाया था। संजू के शुरुआती क्रिकेट सफर को याद करते हुए विश्वनाथ ने बताया कि उन्होंने बेटे का टैलेंट तब पहचान लिया था जब वह महज साढ़े तीन साल का था। उन्होंने अपने दोनों बेटों को बहुत छोटी उम्र में ही क्रिकेट से जोड़ दिया था। ट्रेनिंग के बाद बच्चे अक्सर महान बल्लेबाजों के वीडियो देखते थे और उनकी तकनीक को समझने की कोशिश करते थे। विश्वनाथ ने बताया कि वह चाहते थे कि बच्चे महान खिलाड़ियों जैसे सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की बल्लेबाजी से सीखें और उनके शॉट्स को दोहराने की कोशिश करें।

दिल्ली पुलिस की नौकरी छोड़ केरल लौटे थे

इस इंटरव्यू में उन्होंने संजू के करियर से जुड़े एक बड़े फैसले का भी जिक्र किया। विश्वनाथ ने बताया कि उन्होंने दिल्ली पुलिस की नौकरी छोड़कर केरल लौटने का निर्णय लिया ताकि संजू को क्रिकेट में बेहतर मौके मिल सकें। उनके अनुसार दिल्ली में संजू ने कई ट्रायल दिए लेकिन सफलता नहीं मिली। उन्हें डर था कि लगातार असफलताएं बेटे के आत्मविश्वास को प्रभावित कर सकती हैं। केरल लौटने के बाद हालात बदले और संजू ने अपने प्रदर्शन से जल्दी ही ध्यान खींचना शुरू कर दिया। स्कूल के दिनों को याद करते हुए विश्वनाथ ने कहा कि संजू पढ़ाई और खेल दोनों में संतुलन बनाए रखते थे। वह अक्सर परीक्षाओं में 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाते थे, जबकि क्रिकेट की ट्रेनिंग भी जारी रखते थे। उन्होंने बताया कि कई बार उन्होंने स्कूल प्रशासन से बात कर बच्चों को महत्वपूर्ण मैच खेलने की अनुमति दिलाई। उस समय उन्होंने यह भरोसा भी दिलाया कि दोनों बेटे पढ़ाई में भी अच्छे हैं।

करियर में मुश्किलें भी कम नहीं

संजू के करियर के मुश्किल दौर का जिक्र करते हुए विश्वनाथ ने स्वीकार किया कि सोशल मीडिया पर होने वाली आलोचनाओं से परिवार को तकलीफ हुई थी। हालांकि अब उन्हें संतोष है कि वही लोग, जो पहले आलोचना करते थे, आज संजू की तारीफ कर रहे हैं। इतनी बड़ी उपलब्धि के बावजूद सैमसन परिवार ने किसी बड़े जश्न की योजना नहीं बनाई है। विश्वनाथ का कहना है कि देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करना एक खिलाड़ी की जिम्मेदारी है और संजू ने मौका मिलने पर सिर्फ अपना काम किया है।

जब एक मिनट को भी खुद से दूर रखना हुआ मुश्किल!

ट्रॉफी के साथ सुकून की नींद लेते दिखे सूर्या

अहमदाबाद। भारत ने रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप का फाइनल मुकाबला 96 रनों से जीतकर इतिहास रच दिया। टीम इंडिया सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में तीसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीतने में कामयाब रही। इससे पहले टीम 2007 और 2024 में विजेता बनी थी। अब भारतीय कप्तान और स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार ने सोशल मीडिया पर टी20 विश्व कप ट्रॉफी के साथ एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में वह अपनी पत्नी के साथ लेटे हुए हैं और दोनों के बीच में ट्रॉफी रखी है।

सूर्यकुमार का विश्व कप ट्रॉफी के साथ अडालज बावड़ी में फोटोशूट

इससे पहले विश्व विजेता कप्तान सूर्यकुमार यादव सोमवार को अडालज बावड़ी में विशेष फोटोशूट के लिए पहुंचे थे। उनके पहुंचते ही इस ऐतिहासिक स्मारक परिसर और आसपास की सड़कों पर बड़ी संख्या में प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी। कई प्रशंसक सूर्यकुमार की एक झलक पाने के लिए आसपास की दीवारों और छतों पर भी चढ़ गए। जैसे ही कप्तान ट्रॉफी के साथ पहुंचे, प्रशंसकों ने इंडिया इंडिया के नारों से माहौल को और भी जोशीला बना दिया। 'अडालज नी वाव' के नाम से प्रसिद्ध यह बावड़ी गुजरात के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों में से एक है और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करती है।

गौतम गंभीर ने बताया कैसे जीता भारत ने टी20 वर्ल्ड कप,

जितना बड़ा रिस्क, उतना बड़ा रिवॉर्ड संजू सैमसन को लेकर भी बोले कोच

नई दिल्ली, एजेंसी

टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुआई में भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर तीसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की। इस ऐतिहासिक जीत के बाद टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने खुलकर बताया कि आखिर टीम इंडिया की सफलता का असली मंत्र क्या रहा। इसे लेकर गंभीर ने बातकी।

गंभीर ने कहा कि जब उन्होंने टीम के साथ काम शुरू किया तो उनकी सोच साफ थी, टी20 क्रिकेट में 'हाई रिस्क, हाई रिवॉर्ड' का खेल जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस फॉर्मेट में 120 या 240 गेंदों में जितना ज्यादा असर पैदा किया जा सके, वही टीम को जीत के करीब ले जाता है। गंभीर के मुताबिक- आप डिफेंसिव होकर या अपने शेल में रहकर टी20 फॉर्मेट नहीं जीत सकते। अगर आप बड़े टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं तो आपको डोमिनेट करना होगा। यही सोच हमने टीम के साथ शेयर की। उन्होंने यह भी कहा कि मैच के दौरान माइलस्टोन के बारे में सोचना टीम को नुकसान पहुंचा सकता है। अगर खिलाड़ी अपने व्यक्तिगत माइलस्टोन के बारे में सोचता है तो टीम के 15-20 रन कम हो सकते हैं। वही 15-20 रन कई बार वर्ल्ड कप जीतने और हारने के बीच फर्क बन जाते हैं।

20 गेंद में 20 रन बनाने वाला खिलाड़ी हो सकता है नुकसानदायक

टूर्नामेंट से ठीक पहले न्यूज़ीलैंड सीरीज में संजू सैमसन का फॉर्म चिंता का विषय था। हालांकि गंभीर ने साफ कहा कि किसी भी टीम में ऐसा संभव नहीं कि सभी खिलाड़ी एक साथ फॉर्म में हों। उन्होंने कहा-ऐसा कभी नहीं होता कि वर्ल्ड कप में जाते वक्त टीम के सभी खिलाड़ी फॉर्म में हों। न्यूजीलैंड के खिलाफ संजू के रन नहीं आए, लेकिन वर्ल्ड कप में जिस तरह उसने बल्लेबाजी की, वह किसी भी क्रिकेटर के लिए ड्रीम जैसा है। गंभीर ने अभिषेक शर्मा का उदाहरण देते हुए कहा कि टीम मैनेजमेंट खिलाड़ी को सिर्फ रन के आधार पर नहीं, बल्कि उसके इम्पैक्ट के आधार पर देखती है। लोग बाहर से सिर्फ रन देखते हैं। लेकिन कोच और टीम मैनेजमेंट यह देखते हैं कि खिलाड़ी किस तरह का इम्पैक्ट बना रहा है। अगर कोई खिलाड़ी 20 गेंद में 20 रन बनाता है तो वह टीम के लिए ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है।

टीम सेलेक्शन कैसे होता है, गंभीर ने बताया

कोच ने यह भी बताया कि टीम चयन भरोसे पर किया गया था। गंभीर ने कहा- हम खिलाड़ियों को ट्रस्ट और फेथ पर चुनते हैं, होप पर नहीं। अगर आप किसी खिलाड़ी पर भरोसा करके उसे टीम में लेते हैं तो उसे 4-5 मैच में बाहर नहीं कर सकते। ड्रेसिंग रूम में मौजूद 15 के 15 खिलाड़ियों पर हमें पूरा भरोसा था कि मौका मिलने पर वे टीम के लिए प्रदर्शन करेंगे। गंभीर के मुताबिक टीम की सबसे बड़ी ताकत यही रही कि हर खिलाड़ी ने खुद से पहले टीम को रखा। यही कारण है कि भारत पूरे टूर्नामेंट में आक्रामक अंदाज में खेलता रहा और बड़े स्कोर बनते रहे। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी टीम इंडिया इसी आक्रामक सोच के साथ खेलेगी और बड़े स्कोर बनते रहेंगे। इस इंटरव्यू में टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा क्रिकेट में व्यक्तिगत माइलस्टोन से ज्यादा टीम की सफलता मायने रखती है। उनके मुताबिक क्रिकेट एक टीम स्पोर्ट है, जहां खिलाड़ी अगर अपने निजी रिकॉर्ड के बारे में सोचने लगें तो टीम का नुकसान हो सकता है। गंभीर ने साफ कहा कि टीम का हर खिलाड़ी मैच में ज्यादा से ज्यादा इम्पैक्ट बनाने की कोशिश करे, यही सबसे जरूरी है।

संजू सैमसन को केरल सरकार करेगी सम्मानित

नई दिल्ली । टी20 विश्व कप 2026 के हीरो बने भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को उनके शानदार प्रदर्शन के बाद अपने गृह राज्य केरल में भव्य सम्मान मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री पिनरई विजयन के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने सैमसन का विशेष सम्मान करने का फैसला किया है। इस बीच सैमसन ने अपनी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा करते हुए अपनी पत्नी को खास तौर पर धन्यवाद कहा है।

केरल सरकार करेगी सैमसन को सम्मानित- राज्य के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने घोषणा की कि टी20 विश्व कप फाइनल में भारत को शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले इस स्टार क्रिकेटर का राज्य सरकार की ओर से भव्य स्वागत और सम्मान किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि सैमसन की सफलता पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है और उनकी उपलब्धि ने हजारों युवा क्रिकेटरों को प्रेरित किया है। राजधानी तिरुवनंतपुरम में आयोजित होने वाले इस सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

हार्दिक-माहिका ने पार की हदें!

सरेआम रोमांटिक होने पर भड़के यूजर्स

हार्दिक पंड्या और माहिका शर्मा के रोमांस की चर्चा से इंटरनेट गुलजार हो रखा है। बीती रात अहमदाबाद में इंडिया और न्यूजीलैंड के बीच टी20 का वर्ल्ड कप मैच खेला गया था। हैट्रिक लगाते हुए टीम इंडिया ने तीसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की। सभी खिलाड़ियों ने अपना बेस्ट दिया। हार्दिक पंड्या जीत के बाद इतने खुश हुए कि माहिका के लिए अपने प्यार को छिपा नहीं सके। दोनों की रोमांटिक केमिस्ट्री कैमरे में कैद हो गई।

स्टेडियम में दोनों ने जीत का जश्न मनाया। माहिका ने हार्दिक को kiss किया। कपल एक दूसरे का हाथ थामकर झूमता दिखा। लेकिन ये क्या।।। देशी-विदेशी मीडिया की मौजूदगी में कपल ने ऐसा कुछ किया, जिसकी वजह से वो ट्रोल हो रहे हैं। इंटरनेट पर उनका एक वीडियो सामने आया है जिसमें हार्दिक और नताशा टी20 वर्ल्ड कप के स्टेज पर ही लेट गए। अवॉर्ड डिस्ट्रीब्यूशन के लिए बने पोडियम पर ही कपल का रोमांस चालू हो गया। उनकी इस वीडियो ने लोगों को हैरान कर दिया है। वायरल वीडियो में चारों तरफ जीत का जश्न मनाया जा रहा है। सभी अपनी फैमिली के साथ फोटोज क्लिक करा रहे हैं। आसमान में आतिशबाजी

हो रही हैं। लेकिन हार्दिक-नताशा सभी की फिक्र छोड़कर एक दूसरे में बिजी दिखे। वो स्टडियम में बने पोडियम पर रोमांटिक होते दिखे। हार्दिक और नताशा दोनों पोडियम पर लेटे हुए हैं। एक दूसरे के साथ गुफ्तगू करने में बिजी हैं। क्रिकेटर अपनी लेडीलव के प्यार में खोए हुए हैं। इसके बाद वो उठते हैं और बातों में मशगूल हो जाते हैं।

ट्रोल हुए हार्दिक पंड्या

कपल का ये लविंग मोमेंट कैमरे में कैद हो जाता है. लेकिन ये वीडियो देखने के बाद लोगों का गुस्सा भड़का है. यूजर्स का कहना है कपल को अपनी फीलिंग्स पर कंट्रोल रखना चाहिए. सरेआम इतना कोजी होना ठीक नहीं है. यूजर्स ने हार्दिक और माहिका के रोमांस को पब्लिसिटी स्टंट बताया है. उन्हें यूं स्टेडियम में हदें पार करता देख शख्स ने लिखा- इन्हें बिल्कुल भी विराट-अनुष्का से कंपेयर मत करो. दूसरे ने लिखा- ये सब घर जाकर करो, मैच को फैमिली भी देख रही है किसी ने लिखा- कितना अटेंशन चाहिए इन्हें. उन्हें पता है कई सारे कैमरा उन्हें कैप्चर कर रहे हैं. उनकी ओवरएक्टिंग चालू है. किसी ने कहा- भले ही ये विराट-अनुष्का बनने की लाख कोशिश कर लें, लेकिन कभी नहीं बन सकते. इंटरनेट यूजर्स ने हार्दिक के बार-बार प्यार में पड़ने का मजाक भी उड़ाया है. आपको क्या कहना है हार्दिक-माहिका के खुल्लम खुल्ला प्यार पर?

मेट्रो बाजार

आपातकालीन तेल भंडार करने पर चर्चा करेंगे जी-7 देशों के मंत्री

नई दिल्ली । जी-7 देशों के वित्त मंत्री सोमवार को एक बैठक में आपातकालीन पेट्रोलियम भंडार की समन्वित रिहाई पर चर्चा करेंगे क्योंकि गल्फ क्षेत्र में संघर्ष के बाद तेल की कीमतों में तेजी आई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त मंत्रियों से उम्मीद की जा रही है कि वे सोमवार को आपातकालीन चर्चा करेंगे। इस बैठक में इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) के कार्यकारी निदेशक फातिह बिरोल भी शामिल होंगे।

बैठक का मुख्य विषय ईरान से जुड़े युद्ध का वैश्विक ऊर्जा बाजार पर प्रभाव होगा। अब तक अमेरिका समेत तीन जी-7 देशों ने रणनीतिक भंडार से तेल जारी करने के प्रस्ताव का समर्थन किया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि कुछ अमेरिकी नीति निर्माताओं का मानना है कि लगभग 300-400 मिलियन बैरल का समन्वित तेल जारी करना उपयुक्त हो सकता है। फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक यह मात्रा आईईए सदस्य देशों के पास मौजूदा 1.2 बिलियन बैरल के रणनीतिक भंडार का लगभग 25-30 प्रतिशत होगी।

आपातकालीन पेट्रोलियम भंडार 1974 में आईईए के गठन के बाद स्थापित किए गए थे, जब अरब तेल इंबार्गो के कारण वैश्विक ईंधन की कमी और कीमतों में तेज़ी आई थी। आईईए के सदस्य देशों को यह रणनीतिक भंडार बनाए रखना अनिवार्य है जिससे तेल आपूर्ति में गंभीर व्यवधान होने पर सामूहिक रूप से प्रतिक्रिया दी जा सके। आईईए के गठन के बाद अब तक सदस्य देशों ने पाँच बार समन्वित आपातकालीन तेल भंडार रिलीज़ की है। सबसे हालिया कार्रवाई 2022 में हुई थी, जब रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के कारण ऊर्जा कीमतों में तेजी आई।

भारत में डिजिटल कारोबार करना हुआ आसान एनएसडब्ल्यूएस ने दी 8.29 लाख मंजूरियां

नई दिल्ली । भारत के डिजिटल प्लेटफॉर्म सिस्टम ने देश में कारोबार शुरू करने से लेकर उसके विस्तार तक की प्रक्रिया को पहले से ज्यादा तेज और आसान बना दिया है। केंद्र सरकार ने सोमवार को बताया कि नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम , गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस और एमसीए21 जैसे डिजिटल टूल्स की मदद से व्यवसाय से जुड़ी कई प्रक्रियाएं सरल हो गई हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, देश के डिजिटल ढांचे ने कंपनियों के लिए बाजार तक पहुंच बढ़ाई है और लाखों व्यवसायों के लिए वित्तीय अवसरों के दरवाजे खोले हैं। बयान में कहा गया कि नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से अब तक 32 केंद्रीय विभागों और 32 राज्यों में 8,29,750 से अधिक मंजूरियां दी जा चुकी हैं। इससे उद्योगों को एक ही प्लेटफॉर्म पर कई सरकारी मंजूरियां प्राप्त करने में आसानी हुई है। इसके अलावा, एमसीए21 प्रोजेक्ट भारत के कॉर्पोरेट सिस्टम में बड़ा बदलाव ला रहा है। यह एक एआई-आधारित डिजिटल पहल है, जो पारदर्शिता को काफी बढ़ाती है। इस सिस्टम में ई-स्क्रूटनी , ई-एडजुडिकेशन और ई-कंसल्टेशनजैसी उन्नत सुविधाएं शामिल हैं। वर्ष 2021 से 2025 के बीच इस प्लेटफॉर्म पर करीब 3.84 करोड़ आवेदन दर्ज किए गए। उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल ने भी एमएसएमई सेक्टर के लिए बड़ी भूमिका निभाई है। 12 फरवरी 2026 तक इस पोर्टल पर 7.71 करोड़ रजिस्ट्रेशन किए जा चुके हैं और इससे लगभग 33.97 करोड़ रोजगारों को समर्थन मिला है। यह पोर्टल एमएसएमई के लिए मुफ्त, पेपरलेस और स्वयं-घोषणा आधारित पंजीकरण प्रणाली प्रदान करता है। यह आयकर विभाग और जीएसटी नेटवर्क के डेटाबेस से जुड़ा हुआ है।

शादीशुदा वड़ा पाव गर्ल ने कर ली दूसरी शादी, पति को तलाक दिए बिना लिए फेरे

वड़ा पाव बेचकर रातोरात सोशल मीडिया स्टार बनीं चंद्रिका दीक्षित बीते कुछ समय से अपनी शादीशुदा लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। पति युगम गेरा संग उनके रिश्ते में दरार पड़ गई है। उनकी शादी टूटने की कगार पर है। मगर पति संग बिखरे रिश्ते के बीच चंद्रिका दूसरी शादी को लेकर भी सुर्खियों में बनी हुई हैं। अब उन्होंने दूसरी शादी का सच बताया है।

दरअसल, पति संग अनबन के बीच चंद्रिका ने मिस्ट्री मैन संग शादी के जोड़े में तस्वीरें शेयर की थीं। तस्वीरें वायरल होने के बाद कई लोगों को लगा था कि चंद्रिका ने मिस्ट्री मैन से दूसरी शादी कर ली है। चंद्रिका मिस्ट्री मैन संग अक्सर ही रोमांटिक तस्वीरें और वीडियो भी शेयर करती हैं। दोनों का रिश्ता हेडलाइन्स में बना रहता है। अब एक पॉडकास्ट में चंद्रिका ने सेकंड मैरिज पर चुप्पी तोड़ी है। चंद्रिका बोलीं- सिंदूर वाली वीडियो लोगों ने बहुत देखी, लेकिन क्या कभी ध्यान दिया कि क्या सचमें उसने (मिस्ट्री मैन) मेरी मांग में सिंदूर भरा? सिर्फ एक टीका लगाया था। लोगों ने टीके को सिंदूर में कंवर्ट कर दिया। चंद्रिका आगे बोलीं- क्या आज से पहले मैंने कभी सिंदूर नहीं लगाया था। पर लोगों ने कहा कि इसने तो शादी कर ली। क्या बिना डिवोर्स लिए शादी कर लूंगी। मेरा कभी ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं आया है कि मैंने पति को डिवोर्स दे दिया। कभी मैंने ऐसा कुछ नहीं बोला। चंद्रिका से पूछा गया कि वो मिस्ट्री मैन संग फिर इस तरह के वीडियोज क्यों बना रही हैं? इसपर उन्होंने कहा- हम इसे काम की तरह लेते हैं। हम क्रिएटर हैं। काम समझकर बनाते हैं। चंद्रिका बोलीं उन्हें नहीं लगता कि उन्होंने कुछ गलत किया है।

इंदौर-हैदरबाद कॉरिडोर: पहाड़ों को चीरकर बनाया जा रहा राष्ट्रीय राजमार्ग

भोपाल/इंदौर। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर और तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के बीच सड़क संपर्क को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल होने वाली है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के एक अधिकारी ने कहा कि इंदौर को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद से जोड़ने वाले गलियारे पर एक महत्वाकांक्षी राजमार्ग का निर्माण कार्य इस साल के आखिर तक पूरा हो जाएगा। इस प्रोजेक्ट से न केवल यात्रा में समय की बचत होगी बल्कि क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं पर भी प्रभावी लगाम लगाएगी।

एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी श्रवण कुमार सिंह ने निर्माण कार्य के निरीक्षण के बाद संवाददाताओं को बताया कि मध्यप्रदेश में बन रहे इंदौर-इच्छापुर राष्ट्रीय राजमार्ग का काम इस साल दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि चार लेन वाले राजमार्ग के कारण इंदौर और ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के बीच यात्रा सुगम हो जाएगी। सिंह ने बताया, ''इस राजमार्ग के कारण इंदौर से महाराष्ट्र के जलगांव होते हुए हैदराबाद के बीच भी गाड़ियों की आवाजाही सुगम होगी।'' इस फोरलेन राजमार्ग के शुरू होने से न केवल हैदराबाद और महाराष्ट्र के जलगांव तक की आवाजाही सुगम होगी, बल्कि धार्मिक पर्यटन को भी बड़ा बूस्ट मिलेगा। इंदौर से ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए अब सफर कम समय में और अधिक आरामदायक होगा।

न्यूज विंडो

गड्ढे में गिरकर बाइक सवार की मौत के मामले में कॉन्ट्रैक्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली। जनकपुरी में खुले सीवर के गड्ढे में गिरकर बाइक सवार की मौत के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पश्चिमी दिल्ली की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वायड की टीम ने मुख्य फरार आरोपी कॉन्ट्रैक्टर हिमांशु गुप्ता को राजस्थान के उदयपुर से गिरफ्तार कर लिया है।आरोपी वहां छिपा हुआ था। पुलिस उसे दिल्ली ला रही है, जहां आगे की पूछताछ की जाएगी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। उसकी तलाश में कई स्थानों पर छापेमारी की जा रही थी। इसी बीच पुलिस ने उसे उदयपुर से गिरफ्तार कर लिया। जनकपुरी इलाके में 5-6 फरवरी की मध्य रात दिल्ली जल बोर्ड के एक खुले करीब 20 फीट गहरे सीवर गड्ढे में गिरकर 25 वर्षीय कमल ध्यानी की मौत हो गई थी। कमल बाइक से गुजर रहे थे, तभी अंधेरे में उन्हें गड्ढा दिखाई नहीं दिया और वह उसमें गिर गए।बताया गया कि मौके पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे और गड्ढा खुला हुआ था। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने लापरवाही का आरोप लगाया था।

तेलंगाना में दर्दनाक हादसा, करंट लगने से दो लोग जिंदा जले

मंचेरियाल। तेलंगाना के मंचेरियाल जिले से एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां इलेक्ट्रिक शॉक लगने की वजह से दो युवकों की मौत हो गई। इनकारी के मुताबिक दोनों युवक एक पेट्रोल पंप के पास मौजूद थे। इस दौरान यहां एक लोहे का खंभा बिजली की मेन लाइन की तार से टकरा गए। लोहे के खंभे से सटने की वजह से इलेक्ट्रिक शॉक लग गया और दोनों युवक मौके पर ही जल गए। आग में जलने की वजह से युवकों की मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, मंचेरियाल जिले में बिजली की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। पूरी घटना मंचेरियाल जिले के डंडेपल्ली इलाके की बताई जा रही है। यहां मुंचरम और मदारीपेट गांवों में ये दुखद घटना हुई है, जिसमें इलेक्ट्रिक शॉक लगने से दो युवक बुरी तरह से झुलस गए, जिससे दोनों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक मदारीपेट में इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास इलेक्ट्रिक शॉक लगने से दो युवकों की मौत हो गई। मरने वालों की पहचान उसी गांव के सल्ला लक्ष्मीनारायण और वेल्नुरु गांव के नागराजू के रूप में हुई है।

बच्चों के खेलने को लेकर झगड़ा जमकर चले लाठी-पत्थर, 5 गिरफ्तार

मुरादनगर (गाजियाबाद)। थाना क्षेत्र की मालिक नगर कालोनी में रविवार रात बच्चों के खेलने को लेकर हुए झगड़े में दो पक्ष के बीच खूनी संघर्ष हो गया। इस दौरान दोनों पक्ष के लोगों ने एक दूसरे पर लात घूंसों और लाठी डंडो से हमला किया। इसके अलावा दोनों और से जमकर पत्थर भी चले। मामले में पुलिस ने 14 लोगों पर केस दर्ज कर पांच को गिरफ्तार कर लिया है। मलिक नगर कालोनी में रात बच्चे खेल रहे थे। स्थानीय व्यक्ति साकिब ने बच्चों के खेलने का विरोध करते हुए उनको बुरा भला कहने लगा। इस बात को लेकर साकिब और शमशाद के बीच कहासुनी हो गई।बाद में दोनों पक्ष के लोग एक दूसरे के आमने सामने आकर भिड़ गए। इस दौरान पक्ष के लोगों ने लात- घूसों व लाठियों से एक- दूसरे पर हमला किया। बाद में दोनों ओर से पत्थर भी चले।इस दौरान कालोनी में अफरातफरी का माहौल बन गया। लोग घबराकर घरों में चले गए। इस दौरान फायरिंग का भी आरोप है।

यूएन में पाकिस्तान को फिर लगाई लताड़

अफगानिस्तान पर हमलों को लेकर भारत सख्त, कहा- निर्दोषों को मारा जा रहा है

न्यूयॉर्क, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने अफगानिस्तान की स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए वहां हुए पाकिस्तान की तरफ से हवाई हमलों की कड़ी निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथनेनी हरीश ने कहा कि अफगानिस्तान की जमीन पर किए गए ये हवाई हमले अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और किसी भी देश की संप्रभुता के सिद्धांत का स्पष्ट उल्लंघन हैं।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव की हालिया रिपोर्ट में सीमा पार सशस्त्र हिंसा से हुए नागरिक हताहतों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। भारत इस चिंता का समर्थन करता है और सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानून तथा मानवीय कानून के तहत अपनी जिम्मेदारियों का पालन करने की अपील करता है, ताकि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

185 नागरिकों की मौत पर भारत की चिंता: भारत ने कहा कि पवित्र रमजान के महीने में हुए इन हमलों में बड़ी संख्या में निर्दोष नागरिक मारे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन के अनुसार 6 मार्च 2026 तक 185 निर्दोष लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें लगभग 55 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे हैं।

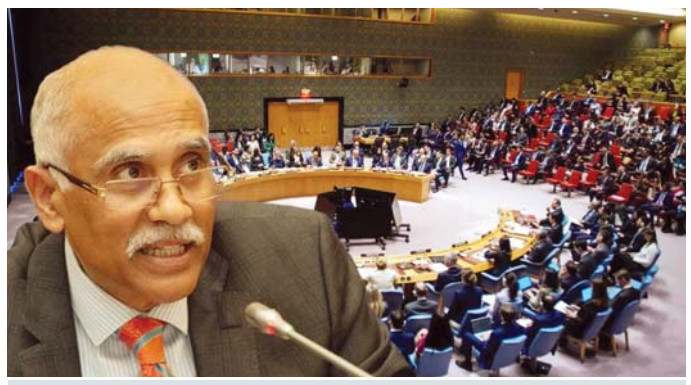

अफगान क्रिकेट टीम के जज्बे की भारत ने की तारीफ

अपने संबोधन में भारत ने अफगानिस्तान के युवाओं और वहां के खेल उत्साह का भी जिक्र किया। पार्वथनेनी हरीश ने कहा कि आज अगर कोई भी व्यक्ति अफगानिस्तान जाता है तो वहां के युवाओं को पूरे उत्साह के साथ क्रिकेट खेलते हुए देख सकता है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम जहां भी खेलती है, वहां लोगों का दिल जीत लेती है। हाल ही में हुए क्रिकेट विश्व कप में टीम का जोश और जज्बा बेहद सराहनीय रहा है। भारत ने कहा कि अफगानिस्तान के क्रिकेट सफर में भागीदार होने पर उसे गर्व है और यह देखकर खुशी होती है कि यह टीम उन लोगों के चेहरों पर मुस्कान ला रही है, जो लंबे समय से कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं।

इसके अलावा इन हमलों की वजह से एक लाख से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं। भारत ने इसे बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि एक तरफ अंतरराष्ट्रीय कानून और इस्लामी एकजुटता की बात करना और दूसरी तरफ रमजान के दौरान निर्दोष लोगों पर हमले करना पूरी तरह पाखंड है।

आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग जरूरी

भारत ने अपने बयान में आतंकवाद को पूरी मानवता के लिए गंभीर खतरा बताया। पार्वथनेनी हरीश ने कहा कि आईएसआईएल और अल-कायदा जैसे आतंकी संगठनों के साथ-साथ उनके सहयोगी संगठनों के खिलाफ वैश्विक स्तर पर समन्वित कार्रवाई बेहद जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और उनके सहयोगी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट का जिक्र करते हुए कहा कि इन संगठनों और इनके समर्थकों को सीमा पार आतंकवाद फैलाने से रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एकजुट होकर कार्रवाई करनी होगी।

नागरिकों की सुरक्षा पर जोर

भारत ने स्पष्ट किया कि किसी भी संघर्ष की स्थिति में सबसे पहली प्राथमिकता आम नागरिकों की सुरक्षा होनी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवीय सिद्धांतों का पालन करते हुए सभी पक्षों को हिंसा रोकने और शांति बहाल करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। भारत का कहना है कि अफगानिस्तान में स्थिरता और शांति न केवल क्षेत्र बल्कि पूरी दुनिया के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

बांग्लादेश: पूजा के दौरान मंदिर में बम विस्फोट, पुजारी समेत कई घायल

ढाका। बांग्लादेश में पिछले एक सप्ताह में हिंदू समुदाय पर कई हमलों की घटनाएँ सामने आई हैं। कॉक्स बाजार और बोगुरा में दो हिंदू युवकों की हत्या कर दी गई, जबकि कुमिल्ला के एक मंदिर में पूजा के दौरान बम विस्फोट हुआ, जिसमें पुजारी सहित चार लोग घायल हो गए।

गत दिनों दक्षिण ठाकुरपाड़ा इलाके में स्थित शनि देव की पूजा चल रही थी। इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने मंदिर परिसर में देसी बम फेंक दिए। विस्फोट में मंदिर के पुजारी सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धमाके के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। रिपोर्ट के मुताबिक एक नकाबपोश व्यक्ति मंदिर में दाखिल हुआ और विस्फोट से पहले एक बैग छोड़कर चला गया। पहले धमाके के बाद हमलावरों ने पास के एक बौद्ध मंदिर और एक निजी कार्यालय के पास भी दो और बम फेंके। हिंदू संगठनों ने इन घटनाओं पर गहरी चिंता जताते हुए सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है।उन्होंने मांग की है कि दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी हो, प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता दी जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए 'जीरो टॉलरेंस' नीति लागू की जाए।

अरुणाचल के जंगल में लगी आग

हेलीकॉप्टर से गिराया 66 हजार लीटर पानी

पासीघाट। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने पासीघाट के मेबो और सिगार क्षेत्रों में लगी भीषण जंगल की आग से निपटने के लिए एक एमआई-17 वी 5 हेलीकॉप्टर तैनात किया। इसके साथ ही आग पर काबू पाने के लिए 66,000 लीटर पानी छोड़ा।

एक एक्स पोस्ट में, भारतीय वायु सेना ने उन क्षेत्रों में फैली भीषण आग की तस्वीरें और वीडियो साझा किए। इसके साथ ही एमआई-17 वी 5 हेलीकॉप्टर की मदद से आग बुझाने के प्रयासों को भी दिखाया। पोस्ट में लिखा था, 'IAF ने अरुणाचल प्रदेश में तुरंत प्रतिक्रिया और सटीक परिचालन क्षमता का प्रदर्शन करते हुए पासीघाट के मेबो और सिगार क्षेत्रों में लगी भीषण जंगल की आग से निपटने के लिए हेलीकॉप्टर तैनात किया। कई उड़ानों के दौरान, आईएएफ ने आग पर काबू पाने और आसपास की बस्तियों को बचाने के लिए 66,000 लीटर पानी छोड़ा। 'इससे पहले 18 फरवरी को, भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने पूर्वोत्तर में दो अलग-अलग मोर्चों पर भयंकर जंगल की आग से मुकाबला किया। इसमें दुर्गम इलाकों और बेहद कठिन उड़ान परिस्थितियों में भारी-भरकम हेलीकॉप्टरों को तैनात किया गया।

राज्यसभा चुनाव: उलटफेर की रणनीति, अमित शाह के करीबी को हरियाणा भेजा गया, दोनों सीटों पर भाजपा की नजर

चंडीगढ़, एजेंसी

हरियाणा में राज्यसभा की दोनों सीटों को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस अहम चुनाव के लिए गुजरात के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री हर्ष सांघवी को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

41 वर्षीय सांघवी को पार्टी ने राज्यसभा चुनाव की रणनीति को मजबूत करने और दोनों सीटों पर जीत सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी सौंपी है। सूरत के मंजूरा विधानसभा क्षेत्र से विधायक सांघवी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का करीबी माना जाता है। ऐसे में उनके हरियाणा आने को राज्यसभा चुनाव में बड़े राजनीतिक घटनाक्रम की संभावना से जोड़कर देखा जा रहा है। राज्यसभा की दो सीटों के लिए तीन उम्मीदवार मैदान में हैं।

भाजपा से संजय भाटिया, कांग्रेस से कर्मवीर बौद्ध और तीसरे उम्मीदवार के रूप में भाजपा समर्थित निर्दलीय सतीश नांदल चुनाव लड़ रहे हैं। राजनीतिक समीकरणों के अनुसार भाटिया की जीत लगभग तय मानी जा रही है। ऐसे में भाजपा का पूरा जोर दूसरी सीट पर नांदल को जिताने पर है।नांदल की जीत तभी संभव है, जब उन्हें कांग्रेस के कुछ विधायकों का भी समर्थन मिले। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि सही राजनीतिक प्रबंधन और विधायकों के समन्वय के जरिए यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। ऐसे में सांघवी की भूमिका विधायकों से संवाद, रणनीतिक समन्वय और मतदान तक राजनीतिक समीकरण साधने में अहम मानी जा रही है। भाजपा नेतृत्व को भरोसा है कि सांघवी अपनी रणनीतिक क्षमता से पार्टी के लिए अनुकूल माहौल तैयार करेंगे।

भाजपा में सांघवी की पहचान एक कुशल प्रबंधनकर्ता और रणनीतिकार के रूप में है। उन्होंने पार्टी के युवा मोर्चा से लेकर सरकार में महत्वपूर्ण पदों तक का सफर तय किया है। यही कारण है कि हरियाणा जैसे संवेदनशील राजनीतिक समीकरण वाले राज्य में राज्यसभा चुनाव की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार भाजपा का यह कदम केवल चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संकेत भी है।

मेट्रो एंकर

मध्यप्रदेश की सियासत: एक को मिली राहत, दो की जा चुकी है विधायकी

मल्होत्रा से पहले तीन भाजपा विधायकों का चुनाव भी हो चुका शून्य

भोपाल, एजेंसी

प्रदेश की विजयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव निरस्त हो गया है। मल्होत्रा से पहले भी प्रदेश में तीन विधायकों के चुनाव/विस सदस्यता पर न्यायालयीन कार्रवाई हो चुकी है। इनमें से एक को राहत मिली, जबकि दो की विधायकी चली गई थी। प्रदेश में मुकेश मल्होत्रा से पहले तीन विधायकों की सदस्यता को कोर्ट शून्य घोषित कर चुकी है। ये तीनों ही भाजपा की सीट पर विधायक चुने गए थे।

आशारानी की सीट सजा के कारण गई: बिजावर से वर्ष 2008 में भाजपा की सीट पर विधायक बनीं आशारानी को वर्ष 2013 में आपराधिक मामले में सजा सुनाई गई थी। सजा के बाद जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत उनकी विधायकी स्वतः समाप्त हो गई थी। उन्हें मध्य प्रदेश में सजा के कारण अयोग्य घोषित होने वाली पहली महिला विधायक भी माना जाता है।

राहुल सिंह लोधी को मिली थी राहत: वहीं, वर्ष 2022 में टीकमगढ़ जिले की खरगापुर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक राहुल सिंह लोधी का चुनाव भी मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने शून्य घोषित कर दिया था। कांग्रेस प्रत्याशी चंदा सिंह गौर ने उनके खिलाफ याचिका दायर की थी। आरोप था कि लोधी ने एक निजी कंपनी में अपनी साझेदारी की जानकारी छिपाई थी, जो सरकारी कार्यों से जुड़ी थी। अदालत ने उन्हें विधायक के रूप में मिलने वाले लाभों पर रोक लगा दी थी। हालांकि, बाद में सुप्रीम कोर्ट से उन्हें स्टे मिलने पर राहत मिल गई थी।

कांग्रेस के पास अब 63 विधायक : मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में कुल 230 सीटों में से कांग्रेस ने 66 सीटों पर जीत दर्ज की थीं। इसके बाद लोकसभा चुनाव के दौरान छिंदवाड़ा जिले की अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित अमरवाड़ा सीट से कांग्रेस विधायक कमलेश्वर शाह भाजपा में शामिल हो गए थे।

नीना वर्मा का हुआ था चुनाव रद्द

इसके साथ ही वर्ष 2008 और वर्ष 2013 के चुनाव में दो बार धार से विधायक नीना वर्मा का चुनाव रद्द हुआ था। पहली बार में रिकाउंटिंग में एक वोट से जीतने के खिलाफ कांग्रेस प्रत्याशी ने कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसके बाद 2012 में चुनाव को शून्य घोषित कर दिया था। इसके बाद दूसरी बार 2017 में चुनाव में फार्म में पूरी जानकारी नहीं भरने के कारण उनका चुनाव शून्य घोषित किया गया था। अदालत ने माना था कि चुनाव प्रक्रिया में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के नियमों का पालन नहीं किया गया था, इसलिए उनका निर्वाचन शून्य घोषित किया गया। यह याचिका कांग्रेस प्रत्याशी ने दायर की थी। हालांकि, बाद में नीना वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की, जहां उन्हें प्रारंभिक राहत मिली थी, लेकिन वर्ष 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए 2013 का चुनाव शून्य माना।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564